द रेड स्टार न्यूज
को अनुभवी संवाददाता
एवं प्रतिनीधि की
आवश्यकता है,
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

द रेड
# स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947 website : www.theredstarnews.com P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह वर्ष- 14 अंक- 49 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
01 नवंबर से 07 नवंबर 2023
पेज-8 ₹ 2/-

## शराब घोटाले में केजरीवाल को समन

**दिल्ली,** दिल्ली शराब घोटाले की आंच आखिरकार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तक पहुंच गई है. ईडी ने उन्हें नोटिस भेजा है और 2 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है. यह पूरा मामला दिल्ली की नई शराब नीति मामले से जुड़ा है. उसी मामले में पूछताछ के लिए केजरीवाल को बुलाया गया है. इसी मामले में 16 अप्रैल को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अरविंद केजरीवाल से नौ घंटे तक पूछताछ की थी. पूछताछ के लिए उस समय भी उनको नोटिस दिया गया था. यह संयोग ही है कि ठीक इसी मामले में पहले से ही जेल में बंद मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका सोमवार को खारिज की गई है और उसी दिन केजरीवाल को नोटिस दिया गया है. असल में मनीष सिसोदिया को इसी शराब घोटाले में 26 फरवरी सीबीआई ने गिरफ्तार किया था, तब से वह हिरासत में हैं. ईडी ने तिहाड़ जेल में उनसे पूछताछ के बाद 9 मार्च को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था. जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों को आदेश दिया कि वे दिल्ली शराब नीति घोटाले के मामले में सुनवाई छह से आठ महीने में पूरी करें. अगर सुनवाई में देरी होती है, तो मनीष सिसोदिया तीन महीने के भीतर जमानत के लिए फिर से अपील कर सकते हैं. 17 अक्टूबर को, कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था और 30 अक्टूबर को फैसला सुनाया.

## महाराष्ट्र कैबिनेट फैसला
### मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया होगी शुरू

**मुंबई,** महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक हुई। इस दौरान मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर जस्टिस संदीप शिंदे समिति की अंतरिम रिपोर्ट को कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। साथ ही, यह भी निर्णय लिया गया कि पिछड़ा वर्ग आयोग मराठा समुदाय की सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति का आकलन करने के लिए नए आंकड़े इकट्ठा करेगा। इससे पहले, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर हिंसा की घटनाओं के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे से फोन पर बात की थी। आज होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र देने पर ठोस फैसला लेने का आश्वासन दिया था। जरांगे मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर 25 अक्तूबर से जालना जिले के अपने पैतृक अंतरवली सराती गांव में अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री शिंदे के साथ संतोषजनक बातचीत के बाद जरांगे ने अपने प्रदर्शन के दौरान पानी पीना शुरू कर दिया है। मराठा समुदाय के सदस्य अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों एवं शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों ने कुछ नेताओं के आवास में तोड़फोड़ तथा आगजनी की। हिंसा की घटनाओं के बाद महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में कर्फ्यू भी लगाया गया है। सीएमओ के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री शिंदे ने मंगलवार को सुबह जरांगे को फोन किया और उनका हाल-चाल पूछा। इसमें कहा गया है कि शिंदे ने जरांगे को आश्वस्त किया कि वह आज होने वाली कैबिनेट बैठक में मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र दिए जाने के संबंध में ठोस निर्णय लेंगे। शिंदे ने जरांगे को यह भी बताया कि राज्य सरकार मराठा आरक्षण मुद्दे को लेकर उच्चतम न्यायालय में सुधारात्मक याचिका दायर करने के लिए तैयार है।

## दुश्मनों पर होगा प्रचंड प्रहार

**लद्दाख,** भारत दो ऐसे मुल्कों से घिरा हुआ है जो हमेशा उसके खिलाफ साजिश रचते रहे हैं. बात हो रही है चीन और पाकिस्तान की. भारत के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत ने कहा था कि भारत को ढाई मोर्चे के युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए. यानी भारत को एलएसी पर चीन, एलओसी पर पाकिस्तान और आतंकवादियों से युद्ध करना पड़ सकता है. शायद यही देखते हुए भारतीय सेना लगातार अपने पावरबैंक में एक से बढ़कर एक ताकतवर और घातक हथियार शामिल कर रही है. न हथियारों को हर तरह से टेस्ट किया जा रहा है. सोमवार को भारतीय सेना के हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड ने दिन और रात दोनों स्थितियों में 70 मिमी रॉकेट दागने में सफलता हासिल की. अधिकारियों के मुताबिक असम में लिकाबाली के पास एक फायरिंग रेंज में किया प्रचंड ने यह कारनामा कर दिखाया. सेना ने एक्स पर कहा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर-एलसीएच प्रचंड की 70 मिमी रॉकेट और 20 मिमी बुर्ज गन की पहली फायरिंग को दिन और रात दोनों स्थितियों में सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया. मिलिट्री एविएशन डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल एके सूरी ने एलसीएच स्क्वॉड्रन की आयुध क्षमता की रियल टाइम वेरिफिकेश के लिए तीन लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के मेन हेलीकॉप्टर से गोलाबारी देखी. प्रचंड को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बनाया है. 5.8 टन वजनी और दो इंजन वाला एलसीएच विभिन्न हथियार प्रणालियों से लैस है और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुश्मन के टैंक, बंकर, ड्रोन और अन्य आयुधों को नष्ट कर सकता है.

## आंध्र प्रदेश में दो ट्रेनों की टक्कर की सामने आई ये हैरान करने वाली वजह

**आंध्र प्रदेश,** रविवार रात हुई रेल दुर्घटना के कारणों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. शुरुआती जांच में रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक और सहायक चालक को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया गया. क्योंकि यह ट्रेन नियमों का उल्लंघन करते हुए दो खराब ऑटो सिग्नल को पार कर गई थी. हादसे में चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई. सात एक्सपर्ट्स द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने दुर्घटना स्थल, उपलब्ध साक्ष्य, संबंधित अधिकारियों के बयान डेटा लॉगर रिपोर्ट और स्पीडोमीटर चार्ट की सावधानीपूर्वक जांच की. रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया कि रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन (ट्रेन संख्या 08504) ने विशाखापत्तनम पलासा पैसेंजर ट्रेन (ट्रेन संख्या 08532) को पीछे से टक्कर मार दी, क्योंकि रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक दल ने दो खराब ऑटो सिग्नल को पार कर दिया था. रिपोर्ट में कहा गया है, इसलिए, ट्रेन संख्या 08504 (रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन) के लोको पायलट एस.एम.एस. राव और सहायक लोको पायलट को जिम्मेदार ठहराया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि रेलवे के नियम के मुताबिक ट्रेन को खराब ऑटो सिग्नल पर दो मिनट के लिए रुकना चाहिए था और फिर 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसके कारण यह टक्कर हुई. इसमें कहा गया है कि कंटकापल्ली-अलमांडा खंड के बीच दो खराब ऑटो सिग्नल थे, जहां टक्कर हुई. विशाखापत्तनम पलासा पैसेंजर ट्रेन दोनों सिग्नल पर रुकी और फिर 10 किलोमीटर प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति से आगे बढ़ी.

## जासूसी मामले पर सरकार का पलटवार
### भारत ही नहीं 150 देशों को भेजा गया अलर्ट !

**दिल्ली,** देश में विपक्षी नेताओं की कथित फोन टैपिंग के आरोपों के आरोपों पर बवाल मचा हुआ है. विपक्षी नेताओं का कहना है कि उन्हें एप्पल कंपनी की ओर से चेतावनी संदेश मिले हैं, जिसमें स्टेट-स्पांसर अटैकर्स उनके आईफोन और दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जासूसी कर रहे हैं. इन आरोपों पर अब सरकार की ओर से केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मोर्चा संभाला है. उन्होंने मंगलवार को प्रेस वार्ता में कहा कि जो लोग देश का विकास नहीं देखना चाहते, वे इस तरह की विनाशकारी राजनीति में लगे हैं. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि एप्पल की ओर से इस तरह का चेतावनी संदेश केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर के 150 देशों के लोगों को भेजा गया है. अश्विनी वैष्णव ने कहा एप्पल की ओर से भेजे गए ईमेल से समझा जा सकता है कि उनके पास कथित जासूसी की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है बल्कि उन्होंने एक अनुमान के आधार पर सब लोगों को यह अलर्ट भेज दिया है. यह अलर्ट पूरी तरह अस्पष्ट है. उन्होंने कहा कि अब एप्पल ने स्पष्टीकरण भी जारी किया है कि आलोचकों के आरोप सच नहीं हैं. केंद्रीय आईटी मंत्री ने कहा जब भी इन आलोचकों के पास कोई बड़ा मुद्दा नहीं होता है, तो वे इस बात का राग अलापने लगते हैं कि उनकी जासूसी करवाई जा रही

है. उन्होंने कुछ साल पहले भी यह कोशिश की थी. इसके बाद हमने मामले उचित जांच की, जिसकी निगरानी कोर्ट की ओर से की गई लेकिन उसमें कुछ नतीजा नहीं निकला. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी आरोप लगाया कि उनके दो बच्चों के फोन हैक कर लिए गए थे, जबकि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं था. बता दें कि मंगलवार को शशि थरूर, राघव चड्ढा, प्रियंका चतुर्वेदी और असदुद्दीन ओवैसी समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि उनके ऐप्पल डिवाइस कथित हैकिंग का शिकार हुए हैं. नेताओं ने अपने एप्पल फोन पर मिले चेतावनी के कथित स्क्रीनशॉट भी साझा किए. तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, जो पूछताछ के बदले पैसे' के आरोपों का सामना कर रही हैं और जिन्हें इस मामले में लोकसभा एथिक्स पैनल ने तलब किया है, उन्हें भी एप्पल से चेतावनी संदेश मिला है.

## विपक्ष के फोन हैक किए जा रहे..
### पूरा देश 3-4 लोगों के हाथ में -राहुल गांधी

**दिल्ली,** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्रेस कांफ्रेंस में पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर भड़ास निकाली. अपनी बात की शुरुआत एक कहानी से की और बताया कि विपक्ष को उस सच के बारे में पता चल चुका है कि जिसे मौजूदा सरकार के मुखिया छिपाए हुए थे. फोन हैकिंग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं के फोन हैक किए जा रहे हैं. लेकिन वो डरने वाले नहीं हैं. सरकार को जासूसी करनी है करे. हैकिंग से हमें फर्क नहीं पड़ता. देश की जनता हर सच को समझ रही है. टैपिंग से भी फर्क नहीं पड़ता. मौजूदा स्थिति में देश का जितना नुकसान हो रहा है उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है. आज झूठे झूठे सपने बेचे जा रहे हैं. हम विपक्ष में हैं और अपने फर्ज को सही ढंग से निभा रहे हैं. इसके साथ कहा कि पीएम मोदी की आत्मा अडानी में हैं. सत्ता किसी और के हाथ में है, कृषि क्षेत्र, अडानी के हवाले, इंफ्रास्ट्रक्चर उनके हवाले. देश की संपत्ति को बेचा जा रहा है, देश के युवाओं का नुकसान हो रहा है. पहले यह कहा जाता था कि सरकार में नंबर 1 पर पीएम मोदी और नंबर दो पर अमित शाह हैं. अब तस्वीर बदल गई है, सरकार में नंबर 1 पर अडानी, नंबर 2 पर पीएम मोदी और तीसरे नंबर पर अमित शाह हैं. जनता इस सच को समझ जाएगी कि पीएम मोदी को नौकरी देने वाला कौन हैं. अगर वो इस तरह की बात कह रहे हैं तो उसके पीछे आधार भी है.

## भाजपा को 90 में से 10 सीटें भी नहीं मिलेंगी
### -उमर अब्दुल्ला

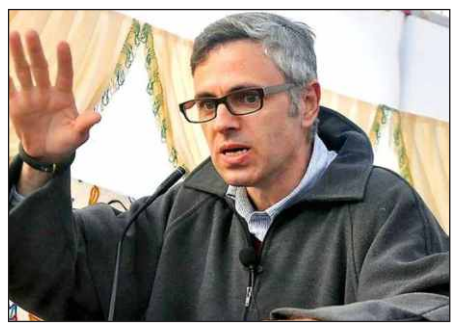

**जम्मू,** नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने जम्मू-कश्मीर में चुनाव को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधा. अब्दुल्ला ने कहा कि ये लोग (भाजपा) कहते हैं कि 80 फीसदी लोग आपके साथ हैं. अगर चुनाव कराओगे तो 10 फीसदी भी आपके साथ आ जायें तो अपना नाम बदल लूंगा. जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि भाजपा जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने से कतरा रही है क्योंकि पार्टी को जम्मू-कश्मीर में चुनावी हार का यकीन है. उन्होंने कुपवाड़ा में पार्टी के एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि अगर आज विधानसभा चुनाव होते हैं, तो भाजपा को 90 में से 10 सीटें भी नहीं मिलेंगी. अगर वे अपनी बी टीम, सी टीम का इस्तेमाल करते हैं, तो शायद ये संख्या 25 से अधिक नहीं होगी. क्योंकि बीजेपी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों पर अत्याचार किया और धौंस और दमन की नीति अपनाई. बीजेपी ने मीडिया को दबाया, एनजीओ को नष्ट किया, रोजगार के दरवाजे बंद किए और बड़ी-बड़ी कंपनियों से रिश्वत ली. यही कारण है कि ये लोग यहां चुनाव कराने से भाग रहे हैं. लेकिन वे कब तक चुनाव से भागेंगे? एक न एक दिन चुनाव होंगे. उन्होंने आगे कहा कि पार्टी द्वारा चुना गया रास्ता लोकतांत्रिक संघर्ष का है, जो देश के संविधान पर मजबूती से आधारित है. हमने कानूनी तरीकों से न्याय मांगा, अदालत का दरवाजा खटखटाया. यह साढ़े चार साल की लंबी यात्रा थी, लेकिन अल्लाह की कृपा से हम टिके रहे. उमर ने कविता पढ़ते हुए कहा कुछ बात है कि वजूद हमारा मिटता नहीं, दुश्मन तो सदियों से हम पर वार करता आया है. इससे पहले उन्होंने INDIA गठबंधन में आंतरिक संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की थी. उन्होंने हाल ही में हुई कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सार्वजनिक लड़ाई का हवाला दिया.

## चुनाव में वोट देंगे राज्यपाल-राष्ट्रपति
### कलेक्टर को भी मिलेगा मौका

**दिल्ली,** राजस्थान में 25 नवंबर को वोट डाले जाने हैं. प्रदेश में एक गांव ऐसा भी है जिसमें 'कलेक्टर', 'राष्ट्रपति' और 'राज्यपाल' भी वोट डालेंगे. यह गांव बूंदी जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर स्थित है. इसका नाम है राम नगर. टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक रामनगर गांव की कुल आबादी है 5 हजार. इसमें 2 हजार मतदाता कंजर आदिवासी समुदाय से आते हैं. इसी समुदाय में किसी का नाम राज्यपाल है तो किसी राष्ट्रपति. यह नाम अगर आपको अलग लग रहे हैं तो इसके पीछे है जटिल सामाजिक इतिहास. रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश शासन के दौरान कंजरों को आपराधिक जनजाति के रूप में देखा जाता था. स्थानीय कंजर बालक दास के मुताबिक समुदाय के कुछ सदस्य क्राइम और अवैध गतिविधियों में शामिल रहते थे. आजादी के बाद, भारत सरकार ने ब्रिटिश काल के कानून को वापस ले लिया था. लेकिन हालात ज्यादा बदले नहीं. स्थानीय पर्यवेक्षकों का कहना है कि समुदाय के कुछ सदस्य अगर कानून तोड़ते हैं तो पूरे समुदाय को अपराधी की दृष्टि से देखा जाता है. इसी निंदा से बचने के लिए इस समुदाय

के कई लोगों ने ऐसे नाम रख लिए, जिन्हें लोग सम्मान की दृष्टि से देखते थे. शुरुआत में लोगों ने दूरदर्शन देखकर अपने बच्चों के नाम रखे क्योंकि तब टीवी मीडिया का एक मात्र माध्यम यही था. हालांकि अब इस गांव में इंटरनेट और प्राइवेट चैनल भी पहुंच चुके हैं. गांव में एक स्कूल है जिसमें करीब 620 छात्र-छात्राएं पढ़ती हैं. गांव के 7 लोग सरकारी कर्मचारी भी बन गए हैं. स्थानीय नेता भी इस समुदाय की एक बेहतर छवि समाज में बनाई जाए.

## दिल्ली को कब मिलेगी प्रदूषण से राहत?

**दिल्ली,** दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार गंभीर श्रेणी में बना हुआ है. लोगों के लिए प्रदूषण बड़ा खतरा बनता जा रहा है. इस वजह से लोगों को आंखों में जलन की समस्या और सांस लेने में दिक्कत होने लगी है, क्योंकि कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है. 31 दिसंबर भी दिल्ली का एक्यूआई 327 के साथ बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है. इस वजह से स्मॉग की चादर ने शहर को पूरी तरह से अपनी आगोश में ले लिया है और आसमान पर धूल के गुबार छाए हुए हैं. इससे पहले सोमवार सीजन का सबसे प्रदूषित दिन रहा और एक्यूआई 347 दर्ज किया गया.

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ ही एनसीआर के इलाकों में भी वायु गुणवत्ता खराब है और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक सोमवार को भी बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, गाजियाबाद में एक्यूआई 272, फरीदाबाद में 300, गुरुग्राम में 203, नोएडा में 303 और ग्रेटर नोएडा में 336 था. वहीं दिल्ली के रोहिणी में एक्यूआई 406, वजीरपुर में 416 और मुंडका में 414 दर्ज किया गया. दिल्ली के लिए केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार हवा की गुणवत्ता कुछ और दिनों तक बहुत खराब रहने की संभावना है. सेंट्रल पल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एयर बुलेटिन के मुताबिक दिल्ली-एनसआर के लोगों को अगले कुछ दिनों तक इसमें कमी आने की उम्मीद नहीं है. मौसम विभाग के मुताबिक 2 नवंबर तक दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खराब से बेहद खराब श्रेणी में रहेगा. इसके बाद वायु गुणवत्ता में सुधार तो आएगा लेकिन बेहद कम सुधार होगा. 2 नवंबर तक लगातार खराब से बेहद खराब श्रेणी के बीच दर्ज किया जाएगा. इसके बाद लोगों को मामूली राहत मिलने के आसार हैं. मौसम विभाग के अनुसार, अगर वायु गुणवत्ता शून्य से 50 के बीच रहे तो इसे अच्छा माना जाता है. अगर एक्यूआई 51 से 100 के बीच रहे तो इसे संतोषजनक और 101 से 200 के बीच एक्यूआई को मध्यम माना जाता है. अगर एक्यूआई 201 से ऊपर चला जाए और 300 तक रहे तो इसे खराब, एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहे तो बहुत खराब और अगर एक्यूआई 400 से ऊपर पहुंच जाए तो इसे गंभीर माना जाता है. दिल्ली-एनसीआर में हवा की गति धीमी होने और तापमान में गिरावट के कारण वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है.

## संपादकीय

### जाति के जंजाल से आखिर क्यों बाहर नहीं निकलना चाहता भारतीय समाज?

**यह** संयोग ही है कि जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तभी जातीय जनगणना के नाम पर जातिवादी राजनीति तेज हो गई है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ये जाति आखिर क्यों नहीं जाती? इसको लेकर हमारे स्वाधीनता सेनानी क्या सोचते थे। स्वाधीन भारत की पहली जनगणना 1951 में हुई। इससे पहले देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1950 में स्पष्ट कहा था कि जातियों की गिनती नहीं होने जा रही है और भविष्य में कभी जातिगत जनगणना नहीं होगी। उनके बाद एचएम पटेल, वाईबी चव्हाण और ज्ञानी जैल सिंह केंद्रीय गृहमंत्री बने। बिहार के नेता बीपी मंडल ने इन तीनों गृह मंत्रियों को जातियों की गणना कराने की मांग करते हुए पत्र लिखे थे, पर किसी ने पटेल के निर्णय को पलटना उचित नहीं समझा। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी के उस लेख का जिक्र किया जा सकता है, जो यंग इंडिया के 1 मई, 1930 के अंक में छपा था। इसमें गांधी जी ने लिखा है, मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता। स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा। बापू की इस भावना का संविधान सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी। जातीय गोलबंदी की राजनीति को जाति आधारित जनगणना में अपनी राह दिखने लगी। आश्चर्य नहीं कि पिछड़े वर्गों की स्थिति पर 1980 में रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले बीपी मंडल ने भी यह मांग सामने रखी। यह बात और है कि तब के गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने इसे नामंजूर कर दिया था। अंग्रेजों ने 1931 में जो जनगणना कराई, जिसका आधार जाति वैमनस्य फैलाना भी था। आजादी के बाद जब 1951 की जनगणना की तैयारियां हो रही थीं, तब भी जाति जनगणना की मांग उठी। लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने इसे खारिज कर दिया। पटेल ने कहा था, जाति जनगणना देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ सकती है। इसका समर्थन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू, डॉ. बीआर आंबेडकर और मौलाना आजाद ने भी किया। इसके पहले संविधान सभा की एक बहस में भी पटेल गांधी जी के विचारों के मुताबिक आगे बढ़ने की मंशा जताते हुए जाति आधारित आरक्षण की मांग को खारिज कर चुके थे। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन सिर्फ राजनीतिक आंदोलन नहीं था। उसमें सामाजिक सुधार के भी मूल्य निहित थे। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भावी भारत का सपना देखा, उसमें जातिवाद की गुंजाइश नहीं थी। संविधान और कानून के सामने सभी बराबर थे। हालांकि आजादी के बाद विशेषकर समाजवादी धारा की राजनीति जैसे-जैसे आगे बढ़ी, परोक्ष रूप से जातिवादी राजनीति को ही बढ़ावा देती रही। डॉक्टर लोहिया जाति तोड़ने की बात करते थे, लेकिन उनके अनुयायियों ने उनके नारे को सतही तौर पर स्वीकार किया। लोहिया मानते थे कि आर्थिक बराबरी होते ही जाति व्यवस्था खत्म तो होगी ही, सामाजिक बराबरी भी स्थापित हो जाएगी।

# नौकरशाहों की राजनीति में बढ़ती रुचि सेवा से प्रेरित तो नहीं है

**मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उभार पर हैं। इस बार वहां चुनावी घमासान में अपना भविष्य आजमाने वाले अफसरों की सूची पर नजर डालें तो निशा बांद्रे डिप्टी कलेक्टर सबसे ऊपर हैं, रिटायर्ड आईपीएस अफसर एमपी वरकडे के कांग्रेस से चुनाव लड़ने की संभावना है।**

**पांच** राज्यों के विधानसभा एवं अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अनेक प्रशासनिक अधिकारी राजनीति में आने के लिये अपने पदों से इस्तिफा दे रहे हैं। इन प्रशासनिक अधिकारियों को नौकरशाही की तुलना में राजनीति इतनी लुभावनी क्यों लग रही है, क्यों राजनीति के प्रति इन नौकरशाहों में आकर्षण बढ़ रहा है? इन्हीं प्रश्नों के बीच अहम प्रश्न है कि आईएएस अधिकारी वी.के. पांडियन द्वारा स्वैच्छिक रिटायरमेंट एवं मध्य प्रदेश में डिप्टी कलक्टर निशा बांगरे का इस्तीफा मंजूर होने की खबरे एवं उनके राजनीतिक दलों से जुड़कर चुनाव लड़ना लोकतंत्र को किस मोड़ पर ले जायेंगे। इनके अतिरिक्त भी कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, आईएफएस, डॉक्टर, प्रोफेसर आईपीएस अफसर आदि अनेक नौकरशाह राजनीति में अपना भविष्य आजमाने को तत्पर हैं। लोकशाही और नौकरशाही निश्चय ही लोकतंत्र के दो प्रमुख स्तम्भ हैं। दोनों के कंधों पर लोकतंत्र की सफलता एवं राष्ट्र-निर्माण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। देशहित का जज्बा ही दिखाना है तो क्या नौकरशाह में यह संभव नहीं है? ऐसा प्रतीत होता है कि विधायिका एवं कार्यपालिका दोनों का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। इन दोनों की सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहारों में, कथनों में गहरा विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि सत्य एवं संभावनाएं खोजने से भी नहीं मिलती, इनका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उनकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। पांडियन और निशा के इन फैसलों से कई सवाल खड़े हुए हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। नौकरशाहों की राजनीति की ओर बढ़ने की होड़ सेवा प्रेरित तो कतई नहीं है। यह अधिक से और अधिक पाने की भूख है जो नौकरशाही की तरह राजनीति को भी अधिक भ्रष्ट ही करेगी। यह सर्वविदित है कि देश की प्रशासनिक संस्थाएं किस कदर साख एवं समझ के संकट से जूझ रही हैं? उन पर राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने का आरोप निराधार नहीं है। यह न तो देश के हित में है और न लोकतंत्र के। ऐसे में, पांडियन और निशा जैसे उदाहरणों से नौकरशाही की विश्वसनीयता को और खरोंचें आएंगी, राजनीति भी साफ-सुथरी रहने की संभावनाएं धूमिल होगी। इसलिए, देश को सचमुच प्रशासनिक सुधार के साथ उसे मजबूत करने के लिये प्रशासनिक अधिकारी अपने पदों पर रहते हुए देश-निर्माण की जिम्मेदारी निभाये, यह ज्यादा जरूरी है। हमारा संविधान तय मानदंडों के तहत अपने हरेक नागरिक को अवसर की स्वतंत्रता देता है, और इस लिहाज से अफसरों के राजनीति में आने में कुछ गलत नहीं है, मगर इन दिनों जिस तरह नौकरशाहों में राजनेताओं के कृपापात्र बनने और पुरस्कृत होने की प्रवृत्ति गहराती जा रही है, उसमें पांडियन एवं निशा जैसे तरक्की पसन्द, महत्वाकांक्षी एवं लालची अफसरों का राजनीतिक में घूसपैठ का मुद्दा अन्य नौकरशाहों को भी सत्ताधीशों से सांठ-गांठ के लिए प्रेरित करेगा। इससे प्रशासनिक क्षेत्र में अजीब ऊहापोह एवं अस्थिरता बनेगी।

जरूरत इस बात की है कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका से संविधान ने जो उम्मीदें पाली हैं, उन पर वे खरी उतर सकें और हम आदर्श लोकतंत्र के रूप में दुनिया के लिए एक उदाहरण बन सके। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उभार पर हैं। इस बार वहां चुनावी घमासान में अपना भविष्य आजमाने वाले अफसरों की सूची पर नजर डालें तो निशा बांद्रे डिप्टी कलेक्टर सबसे ऊपर हैं, रिटायर्ड आईपीएस अफसर एमपी वरकडे के कांग्रेस से चुनाव लड़ने की संभावना है। वरद मूर्ति मिश्रा आईएएस की नौकरी छोड़ राजनीतिक पार्टी बना चुके हैं, सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का भी ऐलान कर चुके हैं। वी.के. बाथम रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं, कांग्रेस में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इनके भी चुनाव लड़ने की अटकलें हैं। बी. चंद्रशेखर, किरण अहिरवार, अजिता वाजपेयी पांडे, हीरालाल त्रिवेदी, पन्नालाल सोलंकी, पवन जैन, गाजी राम मीणा, आजाद सिंह डबास आदि अनेक अफसरों के नाम हैं जिनके अब सक्रिय रूप से राजनीति में आने एवं चुनाव लड़ने की संभावना है। अफसरों का राजनीति से बढ़ रहा मोह कोई नया नहीं है। राज्यों से लेकर केन्द्र की राजनीति में इन प्रशासनिक अधिकारियों का वर्चस्व रहा है और दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है।

**इन प्रशासनिक अधिकारियों के दोनों हाथों में रेवड़ियां हैं-** पहले नौकरशाह के रूप में और अब राजनेता के रूप में। आजादी के अमृतकाल में पहुंचने तक विभिन्न राजनीतिक दलों में ऐसे नौकरशाह रहे हैं जिन्होंने उच्च सरकारी पदों को छोड़ उच्च राजनीतिक पदों पर रहे हैं। नटवर सिंह, मणिशंकर अय्यर, मीरा कुमार, अजीत जोगी, यशवंत सिन्हा आदि पूर्व में मंत्री रहे हैं तो वर्तमान में नरेन्द्र मोदी सरकार में अश्विनी वैष्णव (आईएएस 1994-बैच), केंद्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं और उनके पास रेलवे, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे तीन बड़े विभाग हैं। जिन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के निजी सचिव के रूप में भी काम किया, इसी तरह, हरदीप सिंह पुरी के पास शहरी विकास और पेट्रोलियम विभाग हैं, जबकि आर. के. सिंह बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं और अर्जुन राम मेघवाल (आईएएस 1999-बैच) कानून और न्याय, संसदीय मामलों और संस्कृति राज्य मंत्री हैं।

## मिग 21 की जगह लेंगे तेजस मार्क

**दिल्ली,** इंडियन एयरफोर्स की कामयाबी के पीछे मिग-21 लड़ाकू विमानों की अहम भूमिका रही है, चाहे 1965 की लड़ाई हो, चाहे 1971 की लड़ाई, चाहे करगिल वार या 2019 में पाकिस्तानी एयरफोर्स के एफ-16 गिराने का मामला. इस लड़ाकू विमान ने साबित किया कि वो क्यों बेजोड़ है, हालांकि इसके साथ फ्लाइंग कॉफिन का नाम भी जुड़ा. दरअसल इस विमान की मारक क्षमता को लेकर कभी संदे नहीं रहा. यह बात अलग है कि वायुसेना के बेड़े में शामिल 872 मिग 21 के आधे विमान हादसे का शिकार हो चुके हैं. उन हादसों में करीब 200 पॉयलटों की बेशकीमती जान भी जा चुकी है. इन हादसों के बाद बार बार यह मांग उठती रही है कि इन्हें हटाने का समय आ गया है. उस क्रम में अब इंडियन एयरफोर्स के बेड़े में तेजस मार्क-1 A को शामिल किया जाएगा. मिग-21, सिंगल इंजन, सिंगल सीटर का लड़ाकू विमान है, इसे भारतीय वायुसेना की रीढ़ के तौर पर भी जाना जाता है. इसे पहले इंटरसेप्टर विमान के रूप में डिजाइन किया गया था. लेकिन बदलते समय के साथ इसमें कई बदलाव किए गए. इसके जरिए ग्राउंड अटैक भी किया जाता है. यानी कि बम को ड्राप भी किया जाता है. मौजूदा समय में मिग-21 के तीन स्कवॉड्रन है जिसमें कुल 50 विमान हैं. 1960 के दशक में इसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था. मिग-21 बाइसन, मिग-21 बिस का अपग्रेडेड वर्जन है. इसे 1976 में शामिल किया गया. 2006 में करीब 100 मिग-21 को बाइसन कैटिगरी में अपग्रेड किया गया. मिग-21 लड़ाकू करीब 60 देशों में पिछले 60 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे हैं, एविएशन हिस्ट्री में इस सुपरसोनिक विमान की भूमिका अहम रही है. मिग 21, एक सुपरसोनिक जेट फाइटर के साथ साथ इंटरसेप्टर लड़ाकू विमान है, इसे सोवियत यूनियन के दौरान मिकोयान- गुरुविच ब्यूरो ने डिजाइन किया था.

# कौन है वो शक्ति

## जो मणिपुर में नहीं चाह रही शांति?

**मणिपुर,** मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के 6 महीने बाद भी हालात सामान्य नहीं बन पा रहे हैं. रह-रहकर वहां पर हिंसा भड़क जाती है, जिससे हालात फिर से खराब हो जाते हैं. ऐसी ही घटना वहां पर मंगलवार को दोबारा हो गई. तेंगनौपाल जिले के मोरेह में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने एक उपमंडल पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना का पता चलने के बाद पुलिस ने हमलावरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया लेकिन वे घने जंगलों में फरार हो गए. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार मोरेह में तैनात चिंगथम आनंद कुकी-ज़ो समुदाय की बहुलता वाले सीमावर्ती शहर के पूर्वी मैदान में नवनिर्मित हेलीपैड के निरीक्षण के लिए गए हुए थे. तभी घात लगाए बैठे उग्रवादियों के एक समूह ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी. घटना के तुरंत बाद एसडीपीओ को मोरेह के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. घटना के बाद सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों को पकड़ने का अभियान शुरू कर दिया है. मणिपुर में हिंसा की यह घटना तब सामने आई है, जब मोरेह में रहने वाले कुकी संगठनों के नेता इस सीमावर्ती शहर से सुरक्षाकर्मियों को हटाने की मांग कर रहे हैं. असल में मणिपुर पुलिस इस क्षेत्र

से पलायन कर चुके मेइती समुदाय के घरों से चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चला रही है. पुलिस ने 21 अक्टूबर को मेइती समुदाय के खाली पड़े घरों से पिछले कुछ दिनों में फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान चुराने के आरोप में म्यांमार के 10 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया था. पकड़े गए सभी आरोपी कुकी-जो समुदाय से जुड़े हैं. मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इन आरोपियों की गिरफ्तारी पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी. 21 अक्टूबर को म्यांमा के तीन लोगों की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था, यही वजह है कि कुछ विशेष संगठन मोरेह शहर में राज्य पुलिस और कमांडो की तैनाती का विरोध कर रहे हैं.

# मोदी पर इतने वार फिर भी राहुल पर लोगों को कम होता है ऐतबार

**दिल्ली,** याद करिए साल 2018 का था और तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी रॉफेल के मुद्दे पर नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयानों के तीर चला रहे थे. कांग्रेस को यकीन था कि मोदी सरकार की हार में यह ट्रंप कार्ड बनेगा. यह बात अलग है कि 2019 में नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने में कामयाब हुए. 2019 के चुनावी नतीजों में कांग्रेस का प्रदर्शन अब तक के सबसे खराब प्रदर्शनों में एक रहा. राहुल गांधी ने जिम्मेदारी ली और कांग्रेस अध्यक्ष के पद को छोड़ दिया. सियासत अपनी चाल चलते हुए अगले आम चुनाव की तरफ है. जाहिर सी बात है कि लोकतंत्र में जहां संख्या बल ही सरकार का निर्धारण करती है वहां विरोधी दल द्वारा सरकार को घेरने की प्रक्रिया स्वाभाविक है. टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के एप्पल फोन की हैंकिंग पर सवाल खड़ा करने के बाद राहुल गांधी मीडिया के जरिए जनता से मुखातिब हुए और एक खास लाइन के जरिए हम किसी से डरते नहीं' पीएम मोदी की घेरेबंदी की. अब सवाल यह है कि इतने संगीन आरोप लगाने के बाद भी जनता में राहुल गांधी भरोसा क्यों नहीं जता पा रहे हैं.

## कोविड के टीके से युवाओं में नहीं बढ़ा आकस्मिक मौत का खतरा

**दिल्ली,** भारत में कोविड-19 टीकाकरण से युवाओं में अचानक मौत का खतरा नहीं बढ़ा है. यह दावा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने अपने अध्ययन में किया है. अध्ययन के मुताबिक कारक जिनसे आकस्मिक मौत की आशंका बढ़ी हैं उनमें पूर्व में कोविड की वजह से अस्पताल में भर्ती रहना और मृत्यु से कुछ समय पहले अत्यधिक शराब पीना और तीव्र शारीरिक गतिविधि जैसे कुछ व्यवहार शामिल हैं. आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों से जुड़े कारक-एक बहुकेंद्रित मिलान मामले-नियंत्रण अध्ययन शीर्षक से अध्ययन सहकर्मियों की समीक्षा के अधीन है और अभी तक प्रकाशित नहीं हुआ है. उनका कहना है कि यह अध्ययन इस महीने की शुरुआत में पूरा हुआ है. आईसीएमआर अध्ययन का हवाला देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के भावनगर में कहा कि जो लोग गंभीर कोविड बीमारी का सामना कर चुके हैं, उन्हें दिल के दौरे और हृदयाघात से बचने के लिए एक या दो साल तक अत्यअधिक मेहनत नहीं करनी चाहिए. सूत्रों ने बताया कि भारत में स्वस्थ युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों की खबरों ने अनुसंधानकर्ताओं को रिसर्च करने के लिए प्रेरित किया.

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड ( पूर्व ), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

द रेड स्टार न्यूज को अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST
SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH, Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सर्वोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

आवश्यकता है ...
भारत के सभी राज्यों एवं जिलों से अनुभवी पत्रकार एवं विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें.
+91 9987585870

आवश्यक सूचना
पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619

महादेव दूध डेरी व स्वीट हाउस
हमारे यहां सुबह-शाम दूध लिया व दिया जाता है
मिठाई, दही, देशी घी, लस्सी, सफल मटर, पनीर, छेना, मशरुम, खोवा, कोल्डड्रिंक्स, मिनरल वाटर भी मिलता है
ऑर्डर देने पर बर्थडे केक भी मिलता है
प्रो. अशोक पाल : 8756685845
पता- खोईरी इंटर कॉलेज (डिहवा) के पास, बरसठी बंधवा रोड, बरसठी, जौनपुर

# मराठा आंदोलन में हिंसा करने वालों पर सख्त हुई महाराष्ट्र सरकार

**मुंबई,** मराठा आंदोलन के दौरान महाराष्ट्र में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। मराठा आरक्षण की मांग कोलेकर भड़के प्रदर्शनकारियों ने बीड में नेताओं के घर पर धावा बोला। हालांकि मराठा आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे पाटील ने प्रदर्शन के दौरान हिंसा-आगजनी नहीं करने की अपील की है। साथ ही कहा है कि ऐसा करने से वह अपना रुख बदल सकते है। लेकिन इसके बाद भी मराठा प्रदर्शनकारी आक्रमक है। इसके चलते राज्य के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने देर रात में करीब तक एक घंटे तक मराठा आंदोलन से उपजे हालत का जायजा लिया। इस बैठक में प्रदेश भर के कलेक्टर और सभी पुलिस प्रमुख मौजूद रहे। मराठा आंदोलन के दौरान संपत्ति और जान-माल को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया गया है। साथ ही मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी करने का भी निर्देश दिया गया है। राज्य सरकार की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि हिंसात्मक माहौल होने पर सख्त कार्रवाई की जाए। इस बैठक में संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से मुआवजा लेने पर भी चर्चा हुई। राज्य में कई जगहों पर बसें और नेताओं के घर जला दिए गए। सबसे ज्यादा उपद्रव बीड जिले में हुआ है। बीड शहर में मराठा आरक्षण को लेकर हुई हिंसक घटनाओं के मद्देनजर धारा-144 लागू की गयी है। मराठा आरक्षण समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने सोमवार को बीड शहर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यालय में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों के समूह ने एनसीपी विधायक संदीप क्षीरसागर और राज्य के पूर्व मंत्री जय क्षीरसागर के आवासों को भी फूंक दिया। सोमवार दोपहर में बीड में ही एनसीपी के विधायक प्रकाश सोलंके के आवास को भी मराठा प्रदर्शनकारियों ने निशाना बनाया और पथराव के बाद आगजनी की। अजित पवार गुट के नेता सोलंके ने कहा कि वह और उनका परिवार सुरक्षित है, लेकिन आग के कारण संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है।

# विधायकों की अयोग्यता पर आएगा फैसला !

**मुंबई,** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया कि 31 दिसंबर तक शिवसेना और अगले साल 31 जनवरी तक एनसीपी में दलबदल की याचिकाओं पर फैसला करें। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने शिवसेना विधायकों और एनसीपी विधायकों के खिलाफ अयोग्यता कार्यवाही में महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा शीघ्र निर्णय लेने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने तीन न्यायाधीशों की पीठ का नेतृत्व कर रहे सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ को अवगत कराया कि पिछली सुनवाई के अनुसार उन्होंने महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष से बात की है। एसजी मेहता ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया कि दिवाली और क्रिसमस की छुट्टियों के मद्देनजर अध्यक्ष 31 जनवरी, 2024 तक सुनवाई समाप्त करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अदालत से जनवरी में सुनवाई सूचीबद्ध करने और प्रगति देखने का अनुरोध किया, लेकिन सीजेआई ने कहा कि अदालत चाहती है कि स्पीकर 31 दिसंबर तक कार्यवाही समाप्त कर दें। लंबित दलबदल याचिकाओं पर निर्णय की मांग करने वाली एनसीपी नेता जयंत पाटिल (शरद पवार गुट) द्वारा दायर याचिका भी 30 अक्टूबर को सुनवाई के लिए शिवसेना नेता सुनील प्रभु (उद्धव ठाकरे गुट) की याचिका के साथ सूचीबद्ध की गई थी।

# मुंबई की शान 'काली पीली' टैक्सी का सफर 6 दशक बाद खत्म

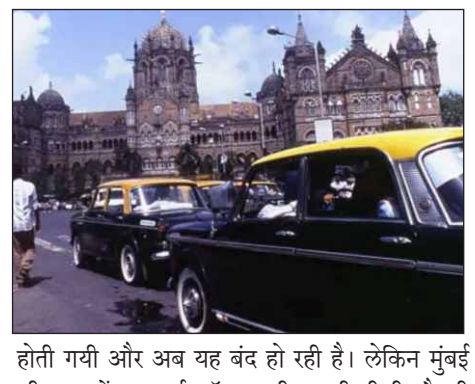

**मुंबई,** मुंबई की शान कही जाने वाली 'प्रीमियर पद्मिनी' यानी काली-पीली टैक्सी अब शहर की सड़कों पर दौड़ती नजर नहीं आएगी। छह दशक की सेवा के बाद इस काली-पीली टैक्सी का सफर आज (29 अक्टूबर) को खत्म हो जाएगा। काली-पीली टैक्सियों का मुंबई के साथ एक अनोखा संबंध रहा है। यह केवल परिवहन के साधन से कहीं अधिक थी और शहर के हर पहलू से जुड़ी हुई थी। परिवहन विभाग के अनुसार कल 30 से मुंबई की आखिरी बची प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी एमएच-01-जेए-2556 नहीं चलेगी और इसका आज आखिरी दिन है। दरअसल मुंबई में कैब की आयु सीमा 20 वर्ष है। इस वजह से आखिरी प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी पर हमेशा के लिए ब्रेक लग रहा है। मुंबई की पहचान रही बेस्ट की पुरानी डबल डेकर बस हाल ही में रिटायर हुई और अब काली-पीली पद्मिनी टैक्सी भी मुंबई की सड़कों से गायब होने जा रही है। सोमवार से मुंबई की सड़कों पर काली-पीली प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी नजर नहीं आएगी। अपने रंग के कारण इस प्रसिद्ध टैक्सी को यह नाम मिला है। वाहनों के नए-नए मॉडल और ऐप आधारित कैब सेवाओं की वजह से मुंबई में इस टैक्सी की संख्या लगातार कम होती गयी और अब यह बंद हो रही है। लेकिन मुंबई की सड़कों पर नई मॉडल की काली-पीली टैक्सी चलेगी। परिवहन विभाग के एक अधिकारी के अनुसार आखिरी प्रीमियर पद्मिनी को 29 अक्टूबर 2003 को ताड़देव आरटीओ में काली-पीली टैक्सी के रूप में पंजीकृत किया गया था। आखिरी पद्मिनी टैक्सी के मालिक अब्दुल करीम कारसेकर है। प्रभादेवी निवासी कारसेकर ने कहा, यह टैक्सी मुंबई की शान है। प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी की शुरुआत 1964 में हुई थी। वहीँ, 2001 से इन टैक्सियों का प्रोडक्शन बंद है। इसलिए इसे एक युग का अंत कहा जा रहा है!

# नाले में सड़ी गली लाश मिली

**मुंबई,** मुंबई में वडाला के बाद अब गोरेगांव में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी फ़ैल गयी है। गोरेगांव इलाके में सोमवार सुबह नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में एडीआर के तहत मामला दर्ज किया गया है, लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के मुतबिक, इलाके के निवासियों ने नाले में शव को देखा और पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिसकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और शव को सरकारी अस्पताल भेजा। मामले के संबंध में जांच जारी चल रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। शव की हालत बेहद खराब है। पुलिस ने कहा, व्यक्ति की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा। मृतक के परिवार का जल्द से जल्द पता लगाने की प्रयास चल रहा हैं। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है. शव को पहले देखने वाले निवासियों और राहगीरों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। यह घटना वडाला इलाके में बैग में एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने के दो दिन बाद सामने आई है। वडाला पुलिस सीमा में एक महिला की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। फिर उसके शरीर को टुकड़ों में काटकर एक बैग में रखा गया और एक सुनसान जगह पर फेंक दिया गया। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की गश्ती टीम ने सबसे पहले शव को देखा। शव के कुछ हिस्से गायब हैं। महिला की उम्र 30-35 साल बताई जा रही है। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश कर रही हैं।

# प्रॉपर्टी के लिए भाई ने की दो बहनों की हत्या

फिल्म दृश्यम को देखने के बाद आए आइडिया पर एक युवक ने अपनी दो बहनों की हत्या कर दी। यही नहीं, बहनों को जहर देने से पहले उसने इंटरनेट पर 53 बार सर्च किया था कि कैसे जहर देने पर मौत हो सकती है और पुलिस को पता भी न चले। आरोप है कि युवक ने सिर्फ इसलिए बहनों की हत्या कर दी, क्योंकि वह पिता की प्रॉपर्टी और नौकरी पर कब्जा करना चाहता था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मामला रायगड के रेवदंडा का है। आरोपी गणेश मोहिते का पिता पालघर वन विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत था। नौकरी के दौरान ही पिता की मौत हो गई और गणेश उसकी जगह अनुकंपा नियुक्ति चाहता था। गणेश की दो अविवाहित बहनें थीं। उसे लगता था कि पिता की मौत के बाद प्रॉपर्टी बहनों में भी बांट दी जाएगी। पिता की प्रॉपर्टी को लेकर एक रिश्तेदार से भी विवाद चल रहा है। इसी का फायदा उठाते हुए वह अपनी बहनों को उस रिश्तेदार के घर ले गया और वहीं सूप में जहर मिलाकर दे दिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे हत्या करने का आइडिया फिल्म दृश्यम देखने के बाद आया। फिल्म देखने के बाद ही उसने बहनों की हत्या की साजिश रची। प्लान के अनुसार गणेश 15 अक्टूबर को परिवार को नवरात्र के कार्यक्रम में ले गया। वह जानता था कि अगर उसने पालघर में बहनों की हत्या कर दी तो उस पर शक किया जाएगा।

# 21 साल के बेटे ने घोंट दिया मां का गला

**मुंबई,** मुंबई के करीब नवी मुंबई के तुर्भे इलाके में सनसनीखेज घटना घटी है। जहां एक युवक ने मामूली बात पर अपनी 46 वर्षीय मां को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात 21 वर्षीय बेटे ने मां की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक तुर्भे पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोपरी गांव के एक अपार्टमेंट में यह घटना हुई। हत्या के आरोप में रूपचंद रहमान शेख (21) को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका की पहचान सलमा उर्फ जहांआरा खातून के तौर पर हुई है। सलमा अपने बेटे के साथ अपार्टमेंट में रहती थी। शेख कुछ काम नहीं करता था, इसलिए उसकी बेरोजगारी को लेकर मां-बेटे में अक्सर कहासुनी होती थी। अधिकारी ने बताया कि वारदात की रात भी इसी को लेकर कहासुनी हुई। जिसके बाद आरोपी बेटे ने गुस्से में आकर देर रात करीब डेढ़ बजे अपनी मां की गला घोंटकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

# सुप्रिया सुले ने किया बड़ा दावा

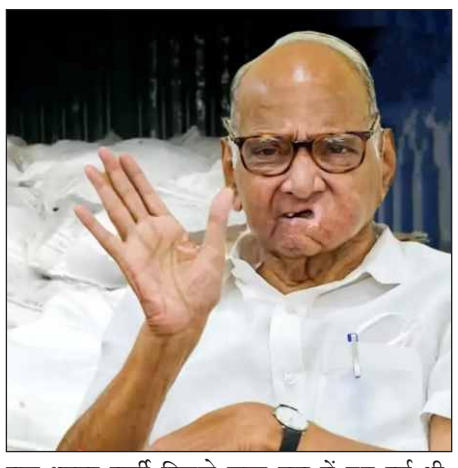

**ठाणे,** वरिष्ठ नेता शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अपने गठन के बाद से सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। जुलाई महीने में पार्टी के दिग्गज नेता अजित पवार ने बगावत कर दी, जिससे पार्टी में फूट पड़ गई। दोनों गुट एनसीपी पर अपना अधिकार जमाने के लिए चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक दौड़ लगा रहे हैं। इसी क्रम में आज शरद पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी खेमा हजारों पन्नों के दस्तावेजों के साथ चुनाव आयोग के दिल्ली कार्यालय पहुंचा। इस दौरान पार्टी के बड़े नेताओं के साथ शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले भी मौजूद रहीं। जानकारी के मुताबिक, सोमवार शाम को एनसीपी (शरद पवार गुट) नेता दस्तावेज और हलफनामा जमा करने के लिए चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे। सारे दस्तावेजों को एक कंटेनर में लाया गया था। शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा हम सारे हलफनामे और सबूत लेकर आए हैं। पूरी पारदर्शिता के साथ हम इसे चुनाव आयोग को दिखाना चाहते हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए सुले ने कहा हमारे पास बहुत सारे दस्तावेज़ और हलफनामे हैं। हम उन्हें चुनाव आयोग को सौंपने के लिए यहां आए हैं। मूल शिवसेना दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की है। जब वह जीवित थे तो उन्होंने खुद ही शिवसेना को उद्धव ठाकरे को सौंप दिया था। हमारे लिए केवल एक ही शिवसेना है और उद्धव ठाकरे उसके प्रमुख हैं। इसी तरह, शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना की... कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर कोई जानता है कि एनसीपी केवल शरद पवार की है। मालूम हो कि शिवसेना में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बगावत होने के बाद भगवा पार्टी पिछले साल जून में टूट गई थी, जबकि अजित पवार और आठ अन्य एनसीपी विधायकों के इस साल दो जुलाई को राज्य सरकार में शामिल होने से एनसीपी दो धड़ों में बंट गई। अजित दादा ने सत्तारूढ़ शिंदे-फडणवीस गठबंधन में शामिल होने से महाराष्ट्र की राजनीतिक में खलबली मच गयी। जिसके बाद शरद पवार ने बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल समेत कई दिग्गज नेताओं को पार्टी से बाहर कर दिया। उधर, अजित पवार गुट भी एनसीपी पर दावा करते हुए चुनाव आयोग की चौखट पर पहुंचा है। अजित दादा ने साफ कहा है कि एनसीपी के अधिकतर विधायक, नेता उनके साथ खड़े है। वह एनसीपी के नाम और चिन्ह (घड़ी) पर आगामी चुनाव लड़ेंगे। एनसीपी के दोनों गुटों ने विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) राहुल नार्वेकर के समक्ष कई याचिकाएं दायर की हैं।

# मुंबई मेट्रो 3 के पहले चरण को मिलेगी गति

## नौंवी रेक जल्द पहुंचेगी आरे

**मुंबई,** अगले सप्ताह मुंबई मेट्रो 3 की नौंवी रेक आरे में पहुंच जाएगी। इसके बाद जल्द ही पूरे रूट पर इसका ट्रायल शुरू होगा। फिलहाल मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) पहले चरण के तहत इस रूट को ट्रायल के लिए तैयार करने में जुटा हुआ है। बता दें कि कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। इस रूट पर मेट्रो का संचालन शुरू करने के लिए मेट्रो की अंतिम रेक आंध्र प्रदेश के श्रीसीटी से सड़क मार्ग के जरिए मुंबई की तरफ रवाना हो चुकी है। एमएसआरसी के अनुसार, मेट्रो की नौवीं रेक मुंबई के करीब पहुंच चुकी है। नवंबर के पहले सप्ताह में इसके आरे डिपो तक पहुंचने की उम्मीद है। पहले चरण के तहत आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। एमएसआरसी ने पहले फेज में नौ ट्रेनों के साथ मेट्रो सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। आठ ट्रेनें पहले ही मुंबई पहुंच चुकी हैं। असेंबलिंग का काम पूरा कर लिया गया है। पहले फेज की अंतिम ट्रेन के मुंबई पहुंचने के बाद उसकी भी असेंबलिंग और टेस्टिंग की जाएगी। इसमें करीब 15 से 20 दिन का समय लगेगा। आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो का संचालन शुरू होने से कुछ दिन पहले ही एमएसआरसी ने ट्रायल रन का दायरा बढ़ा दिया है। मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के इस रूट पर अगले महीने से ट्रायल रन शुरू करने की योजना पर भी प्रशासन काम कर रहा है। मौजूदा समय में आरे से विद्यानगरी स्टेशन के बीच मेट्रो का ट्रायल रन चल रहा है। एमएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पूरे रूट पर ट्रायल रन शुरू करने की तैयारी करीब पूरी हो गई है।

# मुंबई की हवा हुई जहरीली 50 फीसदी बढ़े सांस के मरीज

**मुंबई,** शहर की हवा जहरीली हो रही है। एयर क्वॉलिटी का गिरता स्तर अब मुंबईकरों की सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। खासकर उन लोगों की समस्या में इजाफा हुआ है, जो पहले से ही फेफड़ों की बीमारियों से जूझ रहे हैं। प्रदूषण की चादर में लिपटा शहर अब उच्च जोखिम समूह में आने वाले लोगों के स्वास्थ्य समस्या को और भी बढ़ा रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार, प्रदूषण के कारण ओपीडी में सांस और दमे के मरीजों की संख्या में 30 से 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। डॉक्टरों ने लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की अपील की है। साथ ही प्रशासन से प्रदूषण को कम करने के लिए सख्त कदम उठाने और ऐक्शन प्लान बनाने की बात कही है। मुंबई की आबोहवा पिछले कुछ सप्ताह से लगातार बिगड़ रही है। मॉनसून की विदाई के बाद शहर की वायु गुणवत्ता गुड से मॉडरेट केटेगरी में पहुंच गई है। कुछ इलाकों में तो हवा की क्वॉलिटी पुअर से वेरी पुअर की श्रेणी में चली गई है। हीरानंदानी अस्पताल के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. स्वप्निल मेहता ने बताया कि पिछले 3 से 4 सप्ताह में जो भी मरीज आ रहे हैं, उनकी प्रमुख समस्या का कारण प्रदूषण है। ओपीडी के मरीजों की संख्या में लगभग 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।पहले फैमिली डॉक्टर्स को दिखाते ही आराम हो जाता था, लेकिन अब 8 से 10 दिन बीतने के बाद भी आराम नहीं मिलता।हमारे पास केस बढ़ गए हैं।

# मैरिज रजिस्ट्रार ऑफिस का अधिकारी सस्पेंड

**मुंबई,** मैरिज रजिस्ट्रेशन के लिए दिव्यांग महिला को मुंबई के खार स्थित कार्यालय में दूसरी मंजिल पर जाने के लिए मजबूर करने के मामले में एक अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र राजस्व विभाग ने बुधवार को एक सरकारी प्रस्ताव जारी कर अधिकारी अरुण घोडेकर को सस्पेंड कर दिया। व्हीलचेयर का उपयोग करने वाली और खुद को दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता बताने वाली विराली मोदी ने पिछले हफ्ते एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया था कि उन्हें उनकी शादी के दिन शहर में मैरिज रजिस्ट्रार के दूसरी मंजिल स्थित कार्यालय जाना पड़ा, क्योंकि इमारत में कोई लिफ्ट नहीं थी और अधिकारियों ने नीचे आने से इनकार कर दिया। उन्होंने पूछा कि यह कैसे उचित है? सुगम्य भारत अभियान का क्या हुआ? सिर्फ इसलिए कि मैं व्हीलचेयर का इस्तेमाल करती हूं, क्या मुझे उस व्यक्ति से शादी करने का अधिकार नहीं है जिससे मैं प्यार करती हूं? अगर कोई फिसल गया होता तो क्या होता और अगर मैं अपनी शादी के दिन गिर जाती तो क्या होता? कौन जिम्मेदार है? कई बार साझा किए गए पोस्ट पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने खेद जताया था और कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

# हाईकोर्ट ने पकड़े गए आरोपी को दी बड़ी राहत

**मुंबई,** बॉम्बे हाई कोर्ट में चरस जब्ती के मामले को लेकर काफी अनूठी दलीलें हुईं। पुलिस की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि अदालत जब्ती के समय के वजन को संज्ञान में ले, लेकिन कोर्ट ने मजिस्ट्रेट के सामने किए गए वजन को स्वीकार किया। ऐसे में आरोपी को जमानत मिली गई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने चरस जब्ती के एक मामले में आरोपी व्यापारी को इसलिए जमानत दे दी क्योंकि जब मजिस्ट्रेट के सामने दो महीने बाद चरस का वजन किया गया तो उसका वजन एक किलोग्राम से 10 ग्राम कम था। पुलिस ने व्यापारी को जब पकड़ा था तब उसका वजन 1.01 किलोग्राम था। अदालत ने मजिस्ट्रेट के सामने तौले गए वजन का संज्ञान लिया। कोर्ट ने आरोपी बिजनेसमैन को जमानत देते हुआ कहा कि मजिस्ट्रेट के समक्ष नमूने लेने में देरी पुलिस के हाथ से बाहर थी। ऐसे में जब मुकदमा अभी शुरू नहीं हुआ और आरोपी का पिछला कोई आपराधिक इतिहास नहीं हैं तो उन्हें जमानत दी जाती है। ब्रांदा के व्यवसायी सुनील नायक को 1.01 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक ने कहा निचली अदालत में वजन के तौर चरस की मात्रा एक किलो से कम थी। ऐसे में यह मात्रा और वाणिज्यिक मात्रा नहीं है। नायक को अप्रैल 2022 में बांद्रा पुलिस की मादक द्रव्य निरोधक इकाई ने पकड़ा था। नायक के वकील अनिकेत निकम ने तर्क दिया कि एस्प्लेनेड कोर्ट के समक्ष जब प्रतिबंधित पदार्थ को तौला गया तो वह कॉमर्शियल श्रेणी में नहीं आती थी। अदालत को इसी पर भरोसा करना था। एनडीपीएस एक्ट में चरस भांग के अंतर्गत आता है, इस श्रेणी में 1 किलो से अधिक को व्यावसायिक मात्रा कहा जाता है। बांद्रा पुलिस की मादक द्रव्य निरोधक इकाई ने नायक को एक अन्य आरोपी के साथ पकड़ा गया था। उसके पास 1.02 किलोग्राम चरस थी। सरकारी वकील ने कोर्ट में कहा कि उनके पास वाणिज्यिक मात्रा थी। उन्होंने तर्क दिया कि मजिस्ट्रेट के समक्ष माप में 59 दिन की देरी हुई। यह बात जांच एजेंसी के नियंत्रण से बाहर थी। सरकारी वकील ने कहा कि देरी के कारण चरस सूख गया। इसके चलते और वजन कम हो गया। सरकारी वकील ने कहा कि जब्ती के दौरान वजन माना जाना चाहिए। तो वहीं आरोपी के वकील ने इस पर आपत्ति जताई। हाईकोर्ट ने इसके बाद पर सुनवाई के दौर विचार किया जाएगा।

# सीएम ने प्रयागराज और मिजार्पुर की भरी झोली

**प्रयागराज,** प्रयागराज सोरांव के मेवालाल इंटर कॉलेज परिसर सोरांव में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3357 करोड़ की 424 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को चेक देकर उनका हौसला बढ़ाया। साथ ही छह माह के बच्चे का अन्नप्राशन भी कराया। भाषण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकार के लिए भाजपा की सरकार सदैव संवेदनशील रही है। सीएम के साथ मंच पर स्थानीय सभी विधायक, सांसद और मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिर्जापुर जिले में सोमवार की सुबह 11 बजे ही पहुंच गए थे। इस दौरान उन्होंने 202 करोड़ की 660 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। 10 महिलाओं को विंध्य शक्ति सम्मान से नवाजा।

योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व टूल किट का वितरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण में आगे है। आजादी के बाद पहली बार लगा कि महिला भी राजनीति के एजेंडे का प्रमुख हिस्सा हैं।

# विजिलेंस की तरफ से मनाया जा रहा है सतर्कता जागरूकता सप्ताह

**गोरखपुर,** देश के पहले उपप्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के 31 अक्टूबर को जन्मदिवस पर विजलेंस की ओर से सोमवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरूआत की गई है। आज यानी कि सोमवार से 5 नवंबर तक चलने वाले इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत रखा गया है। अगर आप किसी भी सरकारी विभाग के अफसर और कर्मचारी के भ्रष्टचार से परेशान हैं या फिर आपसे किसी काम के लिए रिश्वत मांगा जा रहा है तो इसके लिए आप डायरेक्ट विजलेंस से शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए विजलेंस विभाग गोरखपुर यूनिट की ओर से नंबर भी जारी किया गया है। किसी भी तरह की भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत मोबाइल नंबर 9454401866 पर कॉल करके या फिर विजलेंस विभाग गोरखपुर मुख्यालय पर लिखित शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। सोमवार को कार्यक्रम के पहले दिन यहां एनक्सी भवन में एक जन संवाद का भी आयोजन किया गया। इसमें सभी व्यापारी, लॉ स्टूडेंट्स, डॉक्टर्स, सामाजिक संगठन, बीडीसी, प्रधान, ग्रामीण और व्यापारिक संगठनों को शामिल किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोरखपुर रेंज के आईजी जे. रविंद्र गौड़ रहे। एसपी विजलेंस रामजी सिंह यादव ने बताया, भ्रष्टाचार रोकने के लिए विजलेंस की ओर से मोबाइल नंबर जारी किए गए हैं। जिसपर कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत कर सकता है। अब वह जमाना गया जब लोग किसी सरकारी अधिकारी और कर्मचारी की रिश्वत मांगे जाने की शिकायत विभाग के पास देते थे और कार्रवाई करने में

काफी समय लगता था। अब लोग सीधा टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। ऐसी शिकायतों को संबंधित क्षेत्र के विजिलेंस अधिकारियों को शिकायत तुरंत फारवर्ड कर दी जाती है। इस नंबर पर शिकायत करने के बाद तुरंत विजिलेंस की ओर से कार्रवाई शुरू हो जाती है और रिश्वत की मांग करने वाले अधिकारी पर जल्द एक्शन लिया जाता है। उन्होंने बताया, संबंधित अधिकारी द्वारा शिकायत मिलने के 24 घंटे के अंदर प्रार्थी को बुलाकर उसकी शिकायत सुननी होती है।

इसके बाद उस अधिकारी अथवा कर्मचारी को भी बुलाया जाता है जिसके खिलाफ शिकायत आई है ताकि शिकायत झूठी पाई जाने पर उसे उसी समय निरस्त कर दिया जाएगा। हालांकि अभी जागरूकता के अभाव में लोग खुलकर विजलेंस के पास शिकायतें नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में इसके प्रचार-प्रचास की जरूरत है। ताकि हम सब मिलकर भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

# बच्चों के मिड-डे मिल में हेडमास्टर साहब हुए सस्पेंड

**गाजीपुर,** योगी सरकार लगातार भ्रष्ट कर्मचारियों और अधिकारियों पर नकेल कस रही है। शासन की तरफ से यह भी चेताया जा रहा है कि इस सरकार में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। उसके बावजूद सरकारी पदों पर आसीन लोग भ्रष्टाचार करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी क्रम में गाजीपुर के सादात ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय मुबारकपुर हरतरा के हेडमास्टर को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मिड-डे मील में भ्रष्टाचार और अनियमितता बरतने पर सस्पेंड कर दिया। इसके साथ ही विभागीय जांच की संस्तुति भी की है। यह कर्रवाई शिकायत पर की गई जांच के बाद की गई है। हेडमास्टर को गबन का दोषी पाया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि हेडमास्टर पर मुकदमा भी दर्ज हो सकता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव के अनुसार जिले के कंपोजिट विद्यालय मुबारकपुर हरतरा जो की सादात ब्लॉक में हैं कि शिकायत ग्राम प्रधान द्वारा की गई थी कि सादात का रहने वाला मोहम्मद अशफाक लंबे समय से विद्यालय में हेडमास्टर के पद पर कार्यरत है। हेडमास्टर ने ग्राम पंचायत चुनाव के ढाई साल बीत जाने के बाद एमडीएम के सिंगल खाते को ग्राम प्रधान के साथ संयुक्त नहीं कराया गया है, जबकि बीआरसी से सभी ग्राम पंचायतों के विद्यालयों को यह कराने का निर्देश बीआरसी ने दिया था पर उसे

आदेश की अह्वहेलना की है। बीएसए कार्यालय के अनुसार इसके बाद इस मामले में एक गुप्त जांच बैठाई गई। इसमें पता चला कि हेडमास्टर मोहम्मद अशफाक ने 16 जनवरी 2020 को किसी वेंडर की बजाय खुद अपने नाम चेक से 24,440 रुपए की निकासी एमडीएम के अकाउंट से कर ली। इसके बाद सितंबर 2021 से जुलाई 2023 तक एमडीएम पंजिका में प्रत्येक पृष्ठ पर वाइटनर का प्रयोग किया। ओवर राइटिंग द्वारा उसने लाभार्थी कालम में गेहूं और चावल की मात्रा में भी व्यापक गड़बड़ी की। आरोप है कि आरोपी हेड मास्टर के द्वारा निरीक्षण में उच्चाधिकारियों को कभी खरीददारी का बिल बाउचर नहीं दिखाया जाता था।

# 2600 साल पुराना देश का पहला सिक्का

**आगरा,** आपने अभी तक तमाम सिक्के सहेजकर रखने वालों को देखा होगा। उनके पास आपको पुरातन काल के सिक्के भी मिले होंगे, लेकिन अगर कहीं आपको 2600 साल पुरान सिक्का दिखे तो आपका हैरान होना लाजिमी है। वो भी यह सिक्का अफगानिस्तान के गांधार से चलकर आगरा पहुंचा हो तो हैरानी और बढ़ सकती है। जी हां, यहां तीन दिन तक चलने वाली मुद्रा प्रदर्शनी में 2600 साल पुराना सिक्का अफगानिस्तान के गांधार से चलकर आगरा तक पहुंच गया। प्रदर्शनी में लोगों ने इसे देखा तो उनकी हैरानी का ठिकाना नहीं रहा। बहरहाल, इसके अलावा भी यहां तमाम दुर्लभ सिक्के देखे गए। इनकी कीमत 100 रुपये से लेकर 35 लाख रुपये तक बताई गई। दरअसल आगरा के छीपीटोला स्थित एसबीआई बैंक में हजारों साल पुराने सिक्कों और नोट की प्रदर्शनी लगाई गई। यह प्रदर्शनी तीन दिन तक चली। इसमें 40 शहरों के लोगों के अपने स्टाल लगाए। इस दौरान यहां देश की पुरानी से पुरानी करेंसी लोगों के सामने आकर्षण का केंद्र बनी रही। हजारों साल पुराने और आज के समय में प्रयोग में ले जाने वाले सिक्के और नोट यहां देखने को मिले। जिनके बारे में आज से पहले आपने सिर्फ सुना होगा। इस मुद्रा प्रदर्शनी में देश के कोने-कोने से सिक्कों का संग्रह करने वाले और खरीदने व बेचने वाले लोग पहुंचे। शहर में पहली बार आगरा मुद्रा उत्सव का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी के संयोजक रवि वर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में 40 स्टाल हैं। मुंबई, कोलकाता, झारखंड, जयपुर, इंदौर, सूरत आदि राज्यों से लोग सिक्कों की प्रदर्शनी लगाने आए हैं। इस प्रदर्शनी में सैकड़ों लोगों ने सिक्के खरीदे और बेचे हैं।

विनोद एस.पी.सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 9415287895

# बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेकर वीडीए उपाध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

**वाराणसी।** वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के 50वें उपध्यक्ष के रूप में आईएएस पुलकित गर्ग ने सोमवार की शाम कार्यभार संभाल लिया। इसके पहले उन्होंने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सपत्नीक विधिवत दर्शन-पूजन किया। वीडीए उपाध्यक्ष के कार्यालय में कार्यभार संभालने पहुंचे वीडीए उपाध्यक्ष का सचिव डॉ सुनील वर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। बता दें कि पुलिकत गर्ग 2016 बैच के आईएएस हैं और उनकी आल इंडिया रैंक 27 थी। उन्हें एक तेज तर्रार आईएएस ऑफिसर माना जाता है। दिल्ली के रहने वाले पुलकित गर्ग ने आईआईटी दिल्ली से सिविल इंजीनियरिंग में साल 2014 में बीटेक किया है। इसके बाद उन्होंने आईएस की परीक्षा दी पर उन्हें 490वीं रैंक मिली जिससे असंतुष्ट पुलकित ने अगले वर्ष पुनः परीक्षा दी और 2016 में 27वीं रैंक से पास किया। इसके बाद उनकी पहली नियुक्ति बुलंदशहर में 26 अप्रैल 2017 को सहायक मजिस्ट्रेट के रूप में हुई थी। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र को सुन्दर और सुदृण बनाना है। उन्होंने कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि इसी भी भवन या मल्टीस्टोरी काम्प्लेक्स का निर्माण बिना नक्शा पास कराए न किया जाए। ऐसा करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# ट्रेन की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत

**कानपुर,** कानपुर देहात के रूरा कस्बे में दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत हो गई। वही गेट मैन की सूचना पर स्टेशन मास्टर रूरा ने जीआरपी को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। रूरा में दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर पश्चिमी रेल क्रॉसिंग के गेट संख्या 94- बी से सोमवार सुबह पौने दस बजे बुजुर्ग निकल रहा थे। इस दौरान खंभा नंबर 1062 / 2 के पास डाउन ट्रैक पार करते समय वह दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही ऊधमुपर एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। जिसके चलते बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। वही रेलवे गेटमैन ने घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर रूरा को दी। स्टेशन मास्टर रूरा ने तत्काल सूचना जीआरपी को भेजी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बुजुर्ग की शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन खबर लिखे जाने तक बुजुर्ग की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो सकी थी। वही घटना को लेकर जीआरपी चौकी प्रभारी ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# रन फॉर यूनिटी का राजनाथ सिंह ने किया शुभारम्भ

**लखनऊ।** पूरे देश में आज धूमधाम से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल 148वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर देशभर में आज का दनि राष्ट्रीय एकता दिवस घोषति कर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छात्र, युवा और एथलीट सहित बड़ी संख्या में लोग भाग ले रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ लखनऊ में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दखिाई। रैली हजरतगंज में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा से शुरू होकर केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर खत्म होगी। इस दौरान कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत कई पदाधिकारी और नेता मौजूद रहे। राजभवन परिसर के मुख्य भवन से सुबह सात बजे से रन फॉर यूनिटी रैली को रवाना किया गया। यह रैली राजभवन से निकलकर अलग-अलग मार्ग से होते हुए राजभवन स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर खत्म होगी। रैली में राजभवन के कार्मिकों, उनके परिवार के सदस्य और विश्वविद्यालयों से शिक्षक, अधिकारी और छात्र- छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। इस दौरान राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा तथा देश की आंतरिक सुरक्षा में योगदान के लिए शपथ भी ली जाएगी। मार्चपास्ट भी आयोजित किया गया।

# केरल बम धमाके के बाद ताजमहल अलर्ट मोड पर, बढ़ाई गई सुरक्षा

**आगरा,** केरल में हुए बम धमाके के बाद ताजमहल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसकी सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पुलिस मुस्तैदी के साथ चेकिंग अभियान चला रही है। एसीपी ताज सुरक्षा सैयद अरीब अहमद ने बताया कि केरल ब्लास्ट के बाद अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है, यलो जोन पर चार क्यूआरटी फोर्स बढ़ाई गई है चेकिंग अभियान चल रहा है। केरल के कोच्चि में एक कन्वेंशन सेंटर में प्रार्थना सभा के दौरान रविवार 29 अक्टूबर को जबरदस्त धमाका हुआ था। उस दौरान प्रार्थना के लिए दो हजार से ज्यादा लोग जुटे हुए थे। धमाके में दो लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। सभी सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट हो गई हैं और टीमें पिछले कुछ दिनों में मिले इनपुट की जांच में जुट गई हैं। केरल में धमाकों के बाद उत्तर प्रदेश एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने सभी जिलों को अलर्ट रहने का आदेश दिया है। ताजमहल पर हर आने जाने वाले पर्यटक की तलाशी ली जा रही है। उसके बाद ही उनको प्रवेश दिया जा रहा है। क्यूआरटी लगातार हर बैरियर पर चेकिंग कर रही है। ताज की सुरक्षा में लगी पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। आपको बता दें आगरा समेत पूरे उत्तर प्रदेश में भी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल पर तैनात सुरक्षा

व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। पुलिस को हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। यलो जोन से लेकर रेड जोन तक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सघन चेकिंग के बाद ही ताजमहल में आने वाले पर्यटकों को प्रवेश दिया जा रहा है। एसीपी ताज सुरक्षा सैयद अरीब अहमद ने बताया कि केरल ब्लास्ट के बाद अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है, यलो जोन पर चार क्यूआरटी फोर्स बढ़ाई गई है चेकिंग अभियान चल रहा है। ताजमहल पर हर आने जाने वाले पर्यटक की तलाशी ली जा रही है। उसके बाद ही उनको प्रवेश दिया जा रहा है।

# रामलला को देखने महाराष्ट्र से आई 150 महिलाओं का डेलिगेशन

**अयोध्या,** महाराष्ट्र से त्रिस्थलीय धर्म जीवन दर्शन यात्रा की लेकर पहुंची महाराष्ट्र की महिलाओं का ग्रुप विश्व मांगल्य सभा द्वारा के तत्वाधान में महाराष्ट्र से त्रियस्थलीय धर्म जीवन दर्शन यात्रा पर निकली 150 महिलाओं का डेलिगेशन राम नगरी अयोध्या पहुंची। जहां राम जन्मभूमि मंदिर का दर्शन कर सिद्धपीठ कनक भवन में हनुमान चालीसा व राम राक्षस्त्रोत् का सामूहिक पाठ किया। और अब यह यात्रा अयोध्या दर्शन करने के बाद प्रयागराज दर्शन करने जाएंगी।

महाराष्ट्र विश्व मंगल्या सभा के आयोजक शुभांगी ने बताया कि धर्म संस्कृति विभाग की तरफ से हम यहां त्रिस्तरीय यात्रा के लिए उत्तर प्रदेश में आए हुए हैं। जो काशी अयोध्या प्रयागराज यात्रा पर निकले हुए हैं जिसमें धर्म जीवन दर्शन यात्रा में हम आज अयोध्या आए हुए हैं। इसका उद्देश्य यही है कि हमारे पूरे क्षेत्र के महिलाओं को भारतीय संस्कृति परंपरा से रूबरू हूं। आज हमारे क्षेत्र के 150 महिलाएं एकत्रित हुई है यहां कनक भवन में राम रक्षा मंत्र के पाठ के लिए मौजूद हैं। वहीं कहा कि इसके पहले राम मंदिर निर्माण कार्य को देखा है। राधिका ने बताया कि

हम सब आज अयोध्या आए हैं राम जन्म भूमि पर रामलला के बड़े ही पावन दर्शन हम सभी को हुए हैं और बड़ा ही सुंदर मंदिर बन रहा है जिसकी बरसों हम सबको प्रतीक्षा थी। और पूरे भारत से हम महिलाएं आई हुई है और कनक भवन में बैठकर हम लोगों ने हनुमान चालीसा और राम रक्षा का सामूहिक पाठ किया है। इस डेलिगेशन ने महाराष्ट्र के पूजा देशमुख, प्रियंका शुक्ला, पूजा तिवारी भी शामिल रही।

# पुलिस अधीक्षक ने 12 बदमाशों को बनाया इनामिया अपराधी

**आजमगढ़,** आजमगढ़ जनपद में अपराधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक ने एक बार पुनः एक्शन लिया है। पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे दर्जन भर बदमाशों को इनामिया अपराधी बना दिया है। एसपी ने 6 अपराधियों पर 25 - 25 हजार तो अन्य 6 पर 15 15 हजार का इनाम घोषित किया है। आजमगढ़ जनपद में अपराधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक ने एक बार पुनः एक्शन लिया है। पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे दर्जन भर बदमाशों को इनामिया अपराधी बना दिया है। एसपी ने 6 अपराधियों पर 25 - 25 हजार तो अन्य 6 पर 15 15 हजार का इनाम घोषित किया है। आजमगढ़ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के अनुसार गैंगस्टर एक्ट व हत्या के अलग-अलग मुकदमें में वांछित/फरार 12 अभियुक्तों पर इनाम घोषित किया गया है। इनमे थाना कोतवाली पर गैंगेस्टर एक्ट में वांछित राकेश मल्लाह उर्फ गुड्डू साहनी, रवि निषाद निवासी राहुल नगर मडया, फूलपुर कोतवाली पर गैंगस्टर एक्ट में वांछित/फरार रमेश यादव निवासी अमरेथू, दीदारगंज थाना पर गैंगेस्टर एक्ट में वांछित/फरार अभियुक्त श्याम बचन उर्फ अन्तू निवासी आरार थाना गम्भीरपुर, मेहनाजपुर थाना पर वांछित/फरार चल रहें योगेश यादव

निवासी रामपुर जमीन पाल्हन व सुधीर यादव निवासी भद्रसेन थाना सादात जनपद गाजीपुर। 25-25 हज़ार का इनाम घोषित किया गया है। वही मोहम्मद सलीम नट, मोहम्मद अली पुत्र जलील अहमद निवासी मोहम्मदपुर बाबूपुर थाना कोपागंज जनपद मऊ, संदीप गुप्ता उर्फ आशीष गुप्ता निवासी करीमाबाद थाना कोपागंज जनपद मऊ, कलीम, तबरेज निवासी मुडियार थाना कोतवाली फूलपुर, अनीस निवासी नौहरा थाना दीदारगंज पर 15-15 हज़ार का इनाम घोषित किया गया।

# नक्कटैया मेले में दिखेगी हमास-इजरायल युद्ध की झांकी

**वाराणसी,** दशहरे के बाद श्री चेतगंज रामलीला समिति की नक्कटैया हर साल की तरह इस साल भी करवाचौथ के दिन होगी। काशी के लक्खा मेले (जिसमें एक लाख से अधिक लोग आते हैं) में शुमार इस मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह मेला इस वर्ष 137वें साल में प्रवेश कर गया। समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि चेतगंज की विश्व प्रसिद्ध नक्कटैया मेले की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। हर साल की तरह इस साल भी मेले में वाराणसी, मध्य प्रदेश के कई जिलोंम, प्रयागराज, मेजा, झूसी, सुल्तानपुर, जौनपुर आदि इलाकों से झांकिया आएंगी। इसमें हमास-इजरायल युद्ध पर आधारित झांकी और मंगलयान पर बनी झांकी प्रमुख होगी। समिति के अध्यक्ष ने बताया कि आज से 136 साल पहले अंग्रेजों के क्रू शासन काल में अंग्रेजों के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए नक्कटैया मेले की शुरुआत बाबा फतेह राम जी ने करवाई थी। उसके बाद से यह लीला स्थानीय लोगों की सहायता और व्यापारियों की मदद से निर्बाध गति से होती रही। उस जमाने में इसमें देश को झकझोरने वाले लाग विमानों का प्रदर्शन किया जाता था जिससे जनता आजादी के लिए जागरूक हो अब उसका स्वरुप बदलकर समसामयिक घटना पर आधारित होगया है। करवाचोथ के दिन चेतगंज में ठीक समय पर शूर्पणखा की नाक काटी जाती है। अध्यक्ष अजय गुप्ता बच्चा ने बताया कि परंपरा के अनुसार मेले का शुभारम्भ ठीक 12 बजे रात में चेतगंज थाने के पास पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैनऔर जिलाधिकारी एस राजलिंगम करेंगे। अपने पारंपरिक रस्ते से नक्कटैया स्थल पहुंचेंगे।

# कोणार्क सूर्य मंदिर का रहस्य इसकी विशेषता और इतिहास

**कोणार्क** का यह अद्भुत सूर्य मंदिर दुनिया भर में अपनी भव्य शिल्प कला के लिए जाना जाता है। साल 1984 में UNESCO द्वारा कोणार्क सूर्य मंदिर को विश्व की धरोहरों में शामिल कर लिया गया। इस मंदिर की संरचना इतनी अद्भुत है कि कई बारी इस मंदिर को भारत का अजूबा भी कहा जाता है। अनगिनत वर्षों से चले आ रहे सनातन धर्म के वेदों व ग्रंथों में वर्णितआदि पंच देवों में भगवान सूर्य नारायण भी आते हैं। वहीं आदि पंच देवों में से कलयुग में सूर्य ही प्रत्यक्ष देव जिनके हम साक्षात दर्शन कर सकते है। धर्म वेदों में भी सूर्य की पूजा के बारे में बताया गया है। वहीं हर प्राचीन ग्रंथों में सूर्य की महत्वता व लाभों का वर्णन मिलता है। ज्योतिष शास्त्र में भी सूर्य को ग्रहों का राजा बताया गया है। ऐसा भी कहा गया है कि रविवार को सूर्य की पूजा से सभी इच्छाए पूर्ण होती हैं। इनकी पूजा अर्चना से स्वास्थ्य, ज्ञान, सुख, पद, सफलता, प्रसिद्धि व बुद्धि आदि की प्राप्ति होना निश्चित है। यही कारण है कि भारतीय समुदाय के लोगों के लिए कोणार्क का सूर्य मंदिर बहुत विशेष महत्व रखता है। हर साल लाखों लोग इस भव्य मंदिर को देखने आते हैं और इसके रहस्यों को टटोलते हैं। इंटरनेट पर रोजाना हजारों लोग कोणार्क के सूर्य मंदिर की विशेषताएं जानने के लिए इससे जुड़े हुए लेखों की तलाश करते हैं। सूर्य देव को समर्पित, इस मंदिर का नाम दो शब्दों कोण और अर्क से जुड़कर बना है कोण यानि कोना और अर्क का अर्थ सूर्य है। यानि सूर्य देव का कोना। इसे कोणार्क सूर्य मंदिर के नाम से दुनियाभर में जाना पहचाना जाता है। यह अपनी भव्यता और अद्भुत शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध है। कुछ लोग इसको भारत का आठवां अजूबा भी कहते हैं। सन् 1984 में यूनेस्कों के वर्ल्ड हेरिटेज की सूची में शामिल किया गया है। कोणार्क में स्थित भगवान सूर्य का मंदिर, पुरी शहर से लगभग 37 किलोमीटर दूर चंद्रभागा नदी के तट पर स्थित है जो की ओडिशा राज्य में है। इस मंदिर को पूरी तरह से सूर्य भगवान के लिए ही बनाया गया है इसीलिए इस मंदिर का संरचना भी भगवान सूर्य से जुड़ी कलाकृतिया आप देख पाएंगे। इसका निर्माण 13वीं शताब्दी 1236 से 1264 ईसवी के मध्यकाल में गंगवंश के प्रथम नरेश नरसिंहदेव ने अपने शासनकाल में करवाया था। इस मंदिर के निर्माण में मुख्यत बलुआ, ग्रेनाइट पत्थरों व किमती धातुओं का इस्तेमाल किया गया है। इस मंदिर को 1200 मजदूरों ने दिन-रात एक करके लगभग 12 वर्षों में बनाया था। यह मंदिर 229 फीट ऊंचा है इसमें एक ही पत्थर से निर्मित भगवान सूर्य की तीन मूर्तिया स्थापित की गई है। जो दर्शको को बहुत ही आर्कषित करती है। यह सूर्य के उगने, ढलने व अस्त होने सुबह की स्फूर्ति, सांयकाल की धकान और अस्त होने जैसे सभी भावों को समाहित करके सभी चरणों को दर्शाया गया है। इस मंदिर में शिल्पकारी व कारीगरी इस प्रकार की गई है इस मंदिर का स्वरूप व बनावट एक बहुत बड़े और भव्य रथ के समान है जिसे 12 पहियों के जोडे, रथ को 7 बलशाली घोड़े खीच रहे है और मानों इस रथ पर स्वयं सूर्यदेव बैठे है। इस मंदिर से आप सीधे सूर्य भगवान के दर्शन भी कर सकते हैं। यह मंदिर अपनी अनूठी कलाकृतियों और भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। जोकि कंलिगशैली से मिलती जुलती है। वहीं इस मंदिर के आधार को सुन्दरता प्रदान करते 12 चक्र, साल के बारह महीनों को परिभाषित करते हैं और प्रत्येक चक्र, आठ पहर से मिलकर बना है, जो हर, एक दिन के आठ पहरों को प्रदर्शित करता हैं। और यहां पर स्थित सात घोड़ें में से केवल एक ही घोड़ा शेष है। यह हफ्ते के सात दिनों को दर्शाता है।

# 7 बेटे और एक बेटी... करवा चौथ की संपूर्ण व्रत कथा

**हिंदू** धार्मिक मान्यताओं में किसी भी व्रत में उस व्रत की कथा सुनने का प्रावधान है. ऐसा माना जाता है कि कोई भी व्रत उसकी कथा के बगैर पूरा नहीं होता है. इसलिए हर प्रकार के व्रत एवं त्यौहार को लेकर कई प्राचीन कथाएं हैं. व्रत रखने वाली महिलाओं को इस दिन करवा चौथ व्रत का कथा सुननी चाहिए, इससे व्रत का पूरा लाभ मिलता है. ज्योतिषाचार्य प्रदीप आचार्य बताते हैं कि इस करवा चौथ जो भी महिलाएं करवा चौथ का व्रत रख रही हैं उन्हें व्रत की कथा अवश्य कहनी या सुननी चाहिए. उन्होंने बताया कि करवा चौथ सनातन काल से ही चल रहा है और इसे लेकर जो कथा है उसका श्रवण भी किया जाता रहा है. ज्योतिषाचार्य प्रदीप आचार्य ने बताया कि एक साहूकार हुआ करते थे, इनको सात पुत्र और एक पुत्री थी. पुत्री की शादी होने के बाद वह अपने ससुराल चली गई थी. सातों भाई अपनी बहन से काफी स्नेह रखते थे. एक बार करवा चौथ के दिन साहूकार के सभी बेटे अपनी बहन से मिलने उसके घर गये. जब वह अपनी बहन के घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उसकी बहन निर्जला उपवास में है और उसने उसने पूरे दिन अन्न जल का ग्रहण नहीं किया है. उसने अपनी बहन से पानी-पीने के लिए कहा तो उसने कहा कि चांद निकलने के बाद ही वह पानी पी सकती है. भाई ने देखा आसमान में चांद नहीं निकला हुआ था. यह सब देखकर उसके छोटे भाई से रहा नहीं गया और उसने दूर एक पेड़ पर दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख दिया. जिससे यह प्रतीत होने लगा कि चंद्रमा निकल आया है. उसके कहने पर उसकी बहन ने उसे चांद को देखकर व्रत खोल लिया. उसने जैसे ही अपना पहला निवाला मुंह में डाला, उसे छींक आ गई. जब उसने दूसरा निवाला अपने मुंह में डाला तो उसमें बाल निकल आया और तीसरा निवाला मुंह में डालते ही उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिल गया. पति की मौत से वह काफी दुखी हो गई है और उसने निर्णय ले लिया कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार ही नहीं करेगी. ज्योतिषाचार्य ने बताया कि उसने यह ठान लिया कि अपने सतीत्व से वह अपने पति को पुनर्जीवन दिलाकर ही रहेगी. इसके बाद वह एक साल तक अपने पति का शव लेकर वहीं बैठी रही तथा उसके ऊपर उगने वाली घास इकट्ठा करती रही. एक साल बाद करवा चौथ के दिन उसने चतुर्थी का व्रत किया और पूरे विधि-विधान से उसने निर्जला उपवास रखा.

# खजुराहो के मंदिर में रखी हैं कामुक मूर्तियां?

**खजुराहो** भारत का मशहूर पर्यटन स्थल है। यह मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित प्राचीन मंदिर है। दुनियाभर के पर्यटकों के बीच यह मंदिर कामुक मूर्तियों के लिए जाना जाता है। यहां की नक्काशी और खूबसूरत चित्रकारी देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। इस मंदिर की दीवारों पर बनी 10 प्रतिशत नक्काशी ऐसी हैं, जो यौन गतिविधियों को दर्शाती है। वहीं 90 प्रतिशत नक्काशी उस वक्त वहां के लोगों के जीवन को प्रदर्शित करती है। कहते हैं चंदेल राजाओं ने मंदिर में यह मूर्तियां बनाई थी, लेकिन क्यों यह रहस्य अब तक बना हुआ है। आखिर ऐसी क्या वजह थी कि मंदिर की दीवारों पर रति क्रीडा, नृत्य मुद्राएं, अध्यात्म और प्रेम रस की प्रतिमाएं बनाई गईं। इस मंदिर की भव्यता, सुंदरता और प्राचीनता के कारण इसे विश्व धरोहर में शामिल किया गया है। इस मंदर में बनी कामुक मूर्तियों का कई बार विरोध हुआ है। हालांकि कामकला के आसनों में दर्शाए गए स्त्री पुरुषों के चेहरे पर अश्लीलता का भाव तक नहीं दिखता। ये मंदिर और इनका मूर्तिशिल्प स्थापित्य और कला की अमूल्य धरोहर है।

इस मंदिर में कई मैथुनी मूर्तियां लगाई गई हैं। जिन्हें देखने के बाद लोगों के मन में कई सवाल आते हैं। जैसे कि मंदिर जैसी जगह पर इन मूर्तियों के बनाने का मकसद क्या था। मूर्तियां बनाते वक्त धर्मगुरुओं ने इसका विराध क्यों नहीं किया। क्या इस मंदिर का कामसूत्र से कोई संबंध है। मंदिर की मूर्तियों में अष्ट मैथुन का सजीव चित्रण दिखाई देता है। 22 मंदिरों में से एक कंदारिया महादेव का मंदिर काम शिक्षा के लिए काफी मशहूर है। इस मंदिर का निर्माण राजा विद्याधर ने मोहम्मद गजनवी को दूसरी बार परास्त करने के बाद 1065 ई. के आसपास करवाया था। बाहर दीवारों पर नर-किन्नर, देवी-देवता और प्रेमी-युगल आदि के सुंदर चित्र उकेरे गए हैं। बीच की दीवारों पर आपको कुछ अनोखे मैथुन दृश्य देखने को मिलेंगे। खजुराहो में दीवारों पर बनी कामुक मूर्तियों का अपना महत्व है। यहां एक दीवार पर ऊपर से नीचे की ओर बनी 3 मूर्तियां कामसूत्र में वर्णित एक सिद्धांत की अनुकृति है। मैथुन क्रिया की शुरुआत में आलिंगन और चुंबन के जरिए उत्तेजना बढ़ाने का महत्व दर्शाया गया है। वही अन्य दृश्य में एक पुरुष 3 स्त्रियों के साथ रतिरत नजर आता है। एक मूर्ति ऐसी भी हैं, जहां नायक नायिका एक दूसरे को उत्तेजित करने के लिए नख दंत का प्रयोग कर रहे हैं। यह भी कामसूत्र के किसी सिद्धांत को दर्शाता है। कहते हैं कि चंदेल राजाओं के समय इस क्षेत्र में तांत्रिक समुदाय की वाममार्गी शाखा का वर्चस्व था। ये लोग योग और भोग दोनों को मोक्ष का साधन मानते थे। ये मूर्तियां उनके क्रियाकलापों की ही देन हैं। शास्त्र कहते हैं कि संभोग भी मोक्ष प्राप्त करने का एक साधन हो सकता है, लेकिन यह बात सिर्फ उन लोगों पर लागू होती है, जो सच में ही मुमुक्षु हैं। इन मूर्तियों को लेकर एक कहानी बड़ी प्रचलित है। कहते हैं कि एक बार राजपुरोहित हेमराज की बेटी हेमवती शाम को सरोवर में स्नान करने पहुंची। उस दौरान आकाश में विचरते चंद्रदेव ने जब स्नान करती हेमवती को देखा तो उनका मन विचलित होने लगा। इसे अपनी राजधानी बनाकर उसने यहां 85 वेदियों का एक विशाल यज्ञ भी कराया। बाद में इन्हीं वेदियों की जगह पर 85 मंदिर बनवाए गए थे । लेकिन आज 85 में से आज यहां केवल 22 मंदिर बचे हैं।

# केदारनाथ मंदिर की अनोखी कहानी जब भूमि में समा गए थे शिव...

**जब** भी भारत के तीर्थ स्थलों का नाम लिया जाता है तो उसमें केदारनाथ धाम का नाम मुख्य रूप से लिया जाता है। भगवान शिव का यह भव्य ज्योतिर्लिंग धाम हिमालय की गोद में उत्तराखंड में स्थित है। भगवान शिव का यह केदारनाथ धाम केवल भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग की श्रृंखला में ही नहीं बल्कि भारत और उत्तराखंड के चार धाम और पंच केदार की श्रृंखला में भी गिना जाता है। कहा जाता है कि केदारनाथ मंदिर का इतिहास पांडवों से जुड़ा हुआ है जिसका निर्माण पांडव वंश के जन्मेजय ने करवाया था लेकिन कुछ मान्यताएं ऐसी भी हैं कि भगवान शिव के इस भव्य धाम की स्थापना आदिगुरु शंकराचार्य नके द्वारा की गई थी। हालांकि केदारनाथ का इतिहास क्या है? इस लेख में हम इस बात पर पूरी चर्चा करेंगे। केदारनाथ मंदिर पौराणिक सनातन सभ्यता और संस्कृति का प्रतीक है और स्थल हिंदू धर्म में बहुत ही महत्व रखता है। केदारनाथ मंदिर से हिंदुओं की आस्था जुड़ी हुई है। केदारनाथ मंदिर हिंदू धर्म में प्रचलित है तथा यह मंदिर भारत के राज्य उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में स्थित है।केदारनाथ मंदिर हिमालय पर्वत की गोद में स्थित 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल है। इस मंदिर का निर्माण कत्यूरी शैली से किया गया है और इसके निर्माता पांडव वंश जनमेजय है। केदारनाथ मंदिर का निर्माण द्वापर युग में हुआ था। इस मंदिर में स्थित स्वयंभू शिवलिंग बहुत ही प्रचलित एवं प्राचीन है। केदारनाथ मंदिर के इतिहास की बात की जाए तो यह मंदिर बहुत ही प्राचीन है और विद्वानों एवं ऋषियों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण 80वीं शताब्दी में द्वापर युग के समय हुआ था। इस मंदिर के चारों ओर बर्फ के पहाड़ हैं। केदारनाथ मंदिर मुख्य रूप से पांच नदियों के संगम का मुख्य धाम माना जाता है और यह नदियां मंदाकिनी, मधुगंगा, क्षीरगंगा, सरस्वती और स्वर्णगौरी है। ऐसी मान्यताएं हैं कि ब्राम्हण गुरु शंकराचार्य के समय से ही स्वतः उत्पन्न हुए इस शिवलिंग की आराधना करते हैं। केदारनाथ मंदिर के समक्ष मंदिर के पुरोहित एवं यजमानों तथा तीर्थ यात्रियों के लिए धर्मशाला उपस्थित है। मंदिर के मुख्य पुजारी के लिए मंदिर के आसपास भवन बना हुआ है। मंदिर के मुख्य भाग में मंडप तथा गर्भ ग्रह के चारों और प्रदक्षिणा पथ बना हुआ है। मंदिर के बाहरी हिस्से में नंदी बैल वाहन के रूप में विराजित हैं। मंदिर के मध्य भाग में श्री केदारेश्वर स्वयंभू ज्योतिर्लिंग स्थित है जिसके अग्र भाग पर भगवान गणेश जी की प्रतिमा और मां पार्वती के यंत्र का चित्र है। ज्योतिर्लिंग के ऊपरी भाग पर प्राकृतिक स्फटिक माला विराजित है। श्री ज्योतिर्लिंग के चारों और बड़े-बड़े चार स्तंभ विद्यमान हैं और यह चार स्तंभ चारों वेदों के आधार माने जाते हैं। कहा जाता है कि केदारनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना का ऐतिहासिक आधार तब निर्मित हुआ जब एक दिन हिमालय के केदार श्रृंग पर भगवान विष्णु के अवतार एवं महातपस्वी नर और नारायण तप कर रहे थे। उनकी तपस्या से भगवान शंकर प्रसन्न हुए और उन्हें दर्शन दिए तथा उनकी प्रार्थना के फल स्वरूप उन्हें आशीर्वाद दिया कि वह ज्योतिर्लिंग के रूप में सदैव यहां वास करेंगे। केदारनाथ मंदिर के बाहरी भाग में स्थित नंदी बैल के वाहन के रूप में विराजमान एवं स्थापित होने का आधार तब बना जब द्वापर युग में महाभारत के युद्ध के दौरान पांडवों की विजय पर तथा भातर हत्या के पाप से मुक्ति के लिए भगवान शंकर के दर्शन करना चाहते थे। इसके फलस्वरूप वह भगवान शंकर के पास जाना चाहते और उनका आशीर्वाद पाना चाहते थे परंतु भगवान शंकर उनसे नाराज थे। पांडव भगवान शंकर के दर्शन के लिए काशी पहुंचे परंतु भगवान शंकर ने उन्हें वहां दर्शन नहीं दिए। इसके पश्चात पांडवों ने हिमालय जाने का फैसला किया और हिमालय तक पहुंच गए परंतु भगवान शंकर पांडवों को दर्शन नहीं देना चाहते थे इसलिए भगवान शंकर वहां से भी अंतर्ध्यान हो गए और केदार में वास किया। पांडव भी भगवान शंकर का आशीर्वाद पाने के लिए एकजुटता से और लगन से भगवान शंकर को ढूंढते ढूंढते केदार पहुंच गए।भगवान शंकर ने केदार पहुंचकर बैल का रूप धारण कर लिया था। केदार पर बहुत सारी बैल उपस्थित थी।

पांडवों को कुछ संदेह हुआ इसीलिए भीम ने अपना विशाल रूप धारण किया और दो पहाड़ों पर अपने पैर रख दिए भीम के इस रूप से भयभीत होकर बैल भीम के पैर के नीचे से दोनों पैरों में से होते हुए भागने लगे परंतु एक बैल भीम के पैर के नीचे से जाने को तैयार नहीं थी। भीम बलपूर्वक उस बैल पर हावी होने लगे परंतु वेल धीरे-धीरे अंतर्ध्यान होते हुए भूमि में सम्मिलित होने लगा परंतु भीम ने बैल की त्रिकोणात्मक पीठ का भाग पकड़ लिया। पांडवों के इस दृढ़ संकल्प और एकजुटता से भगवान शंकर प्रसन्न हुए और तत्काल ही उन्हें दर्शन दिए। भगवान शंकर ने आशीर्वाद रूप में उन्हें पापों से मुक्ति का वरदान दिया। तब से ही नंदी बैल के रूप में भगवान शंकर की पूजा की जाती है।

# रहस्यमयी मंदिरों में शामिल है महाराष्ट्र की एकविरा देवी मंदिर

**भारत** एक सनातन देश, जहां हिंदू धर्म के लोग देवी-देवताओं के प्रति अपनी आस्था दिखाते रहे हैं। इसके प्रमाण देश के कोने व दुर्गम हिस्सों में मौजूद एक से एक भव्य मंदिर से मिलते है। हर मंदिर अपने आप में एक मिसाल है और किसी किसी न किसी खास देवी या देवता को समर्पित है।

यह प्राचीन मंदिर मौजूद है भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई से करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर जहां एक बड़ा ही खूबसूरत पर्यटन स्थल है- लोनावला। लोनावला की कार्ला गुफाओं के पास देवी एकविरा का एक प्राचीन मंदिर मौजूद है। मान्यताओं के मुताबिक यह मंदिर यहां की गुफाओं से भी पुराना है। कहते हैं कि अपने अज्ञातवास के दौरान जब पांडव यहां पहुंचे तब देवी एकविरा उनके सामने प्रकट हुई और उनकी कार्य दिशा की परीक्षा लेने के लिए उन्होंने पांडवों के सामने अपना एक मंदिर बनाने की चुनौती रखी। मगर साथ ही शर्त रखी थी कि वह मंदिर रातों-रात बनना चाहिए। पांडवों ने मंदिर बना दिया। उनकी इस भक्ति से देवी इतनी प्रसन्न हुई कि उन्हें वरदान दिया कि अपने अज्ञातवास के दौरान कभी भी उनकी पहचान नहीं हो पाएगी। और वो अपना एक साल का अज्ञातवास काटने में सफल होंगे। एकविरा देवी आगरी-कोली समाज की प्रमुख देवी है और वो उन्हें अपनी कुलदेवी मानते हैं। हर साल दूर-दूर से आगरी-कोली समाज के लोग मां एकविरा के दर्शन करने यहाँ आते है। वैसे तो सालभर यहाँ दर्शनों का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन हर साल चैत्र नवरात्रि और नवरात्रि के समय यहां भक्तों की संख्या बहुत बढ़ जाती है। उस दौरान लाखों की संख्या में भक्त यहाँ पहुंचते हैं। एकविरा देवी (एकविरा आई मंदिर) सिर्फ आगरी-कोली समाज की ही आराध्य देवी नहीं है बल्कि द्रविड़ ब्राह्मण और कुछ अन्य समाज के लोग भी एकविरा देवी की पूजा करते हैं। वह भी यहां देवी के दर्शन को आते हैं। देवी एकविरा की पूजा कई और नामों से भी की जाती है जिनमें से एक प्रमुख नाम है- रेणुका। भारत के पडोसी देश नेपाल में देवी रेणुका को अमर ऋषि परशुराम की मां माना जाता है।

लोनावला में देवी एकविरा माता का मुख्य मंदिर तो है ही साथ ही और भी कई देवियों के भी छोटे-छोटे मंदिर है। उन देवियों को एकविरा माता का अवतार माना जाता है और उनकी पूजा होती है। इनमें प्रमुख देवी है शीतला माता। एकविरा देवी में भक्तों की गहरी आस्था है और उनका विश्वास है देवी मां से जो भी मांगा जाता है, वह उनकी इच्छा जरूर पूरी कर देतीं हैं। एकविरा आई मंदिर के साथ ही यहां की कार्ला गुफाएं भी अपने आप में ऐतिहासिक है। यह कभी बौध धर्म का एक बड़ा अहम केंद्र रही थी, यहां पहाड़ पर चट्टान को काटकर इन गुफाओं का निर्माण किया है। जो देखने में ही बहुत अद्भुत है। इन गुफाओं में आज भी भगवान बुद्ध की कई मूर्तियां विद्यमान है। जिनमें वें अलग-अलग मुद्राओं में नजर आ रहे हैं।

कार्ला गुफाओं का निर्माण दूसरी सदी ईसा पूर्व से लेकर पांचवीं सदी ईसवी तक किया गया था। माना जाता है कि यहाँ कि सबसे पुरानी गुफा 160 ईसा पूर्व में बनाई गई थी। यहाँ की मुख्य गुफा है, सबसे पुराणी गुफा चैत्य गुफा है। एकविरा आई मंदिर के साथ ही यहां की कार्ला गुफाएं भी अपने आप में ऐतिहासिक है। यह कभी बौध धर्म का एक बड़ा अहम केंद्र रही थी, यहां पहाड़ पर चट्टान को काटकर इन गुफाओं का निर्माण किया है। जो देखने में ही बहुत अद्भुत है।

# निर्मल नगर पुलिस स्टेशन अन्तर्गत खुला मटका जुगार!

## जुगार माफियाओं से साँठ गाँठ करके मुख्यमंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश को कूड़ेदान में डालती निर्मल नगर पुलिस ?

**खार पूर्व,** राज्य में तो भ्रष्टाचार चरम पर है, यहां का शासन प्रशासन इतना करप्ट है कि मौत के सौदागरों से भी हप्ता लेकर आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करती है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में झटपट लाटरी, मटका जुगार व अवैध ड्रग्स कारोबार पर रोक लगा रखी है, परंतु शासन प्रशासन के आंख के नीचे अवैध कारोबारी एवं जुगार माफिया सक्रिय हैं, वही द रेड स्टार न्यूज़ पेपर द्वारा बार बार खबर प्रकाशित करने के बावजूद लगता है कि महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस तथा संबंधित अधिकारी जुगार माफियाओ के आगे नतमस्तक हो गये है। महाराष्ट्र के हर जिले व शहर में मटका जुगार व अवैध कारोबार का ही बोलबाला है। यहाँ बताते चले कि अवैध कारोबारियों एवं जुगार माफियाओ की इतनी हिम्मत बढ़ गई है कि वो लोगों की जिंदगियों से भी खिलवाड़ करने में नहीं हिचकते? महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस चाहे जितना भी भ्रष्टाचार पर भाषण देते रहे परंतु इनके भाषण पर प्रशानिक अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता। जहां प्रदेश के हर कोने में अवैध धंधे व जुगार माफियाओं की भरमार है, इसी तरह स्थानीय रहिवाशियो द्वारा खबर मिली है कि परिमंडल 08 के निर्मल नगर पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के अलग अलग परिसर में सुरेश पालखी द्वारा खार रेलवे ब्रिज के सामने की गली में, विठ्ठल अन्ना द्वारा बहराम पाइप लाइन के अन्दर सीबू बार के पिछे एवं उमेश अन्ना द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन से कुछ मीटर की दुरी पर मच्छी मार्किट के पास मटका जुगार बोंल-गेम, शोरट, तितली-कबूतर, जन्ना-मन्ना, चक्री, अन्दर बाहर, गुड़-गुड़ी, पताड़ा, मेंन स्टार-लाइन एवं 20-25 राइटरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जुगार का व्यवसाय स्थानीय गुंडों, मवालियों व शराबियो के जमावड़ो को साथ लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को गुमराह करके देर रात तक जुगार चलाया जा रहा है? उक्त मामले में स्थानीय रहिवाशियो व शिकायतकर्ताओं ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि जुगार के उक्त रैकेट को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल व क्राइम ब्रांच से संयुक्त जाँच कराकर एवं जुगार चलाने वाले सभी जुगार माफियाओं को तड़ीपार कर क्षेत्र में अमन शांति कायम करने में समाजसेवी संस्थाओं एवं रहिवासियों की मदत करें ..

# जुगार माफियाओं का अड्डा बना आरे कालोनी!

## मरोल सिक्योरिटी चेक-पोस्ट पर रिटायर्ड पुलिसकर्मी संतोष पवार का चल रहा मटका जुगार?






**गोरेगांव पूर्व।** मुंबई पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि मुंबई शहर मे आरे कालोनी आदिवासी पाड़ा व आरे मिल्क डेरी के रूप मे जाना जाता है साथ मे पर्यावरण के मामले पश्चिम उपनगरीय का हब माना जाता है। वही कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। ज्ञात हो कि अवैध जुगार धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में प्रकाशित न्यूज के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद मुंबई शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा आरे पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र के मरोल चेक पोस्ट पर वड़ा पाव और चाय की हाथगाड़ी के पीछे आरे बाउंड्री दिवाल के पास स्थानीय पुलिस की नाक पर रिटायर पुलिसकर्मी (स्थानीय पुलिस कॉलोनी का रहिवासी) एवं जुगार माफिया व पुलिसकर्मी संतोष पवार द्वारा बड़े पैमाने मटका जुगार चलाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल एवं व्हाट्सप्प द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त, पुलिस आयुक्त, पुलिस महासंचालक, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह, मुख्य सचिव, गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है.? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

# खुलेआम चल रहा है स्मायन सलून एवं स्पा!

## स्पा की आड़ में कहीं देह व्यापार तो नहीं?

**कांदिवली।** मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नव नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

# जुगार माफियाओं और अवैध धंधों का गढ़ बना ठाणे शहर!

## पुलिस थानों की मदद से हो रहा है अवैध धंधों का विस्तार



## तीन हाथ नाका बस स्टैंड के पिछे चल रहा मटका जुगार ..



अमरसिंह जाधव
पुलिस उप आयुक्त ( परिमंडळ-5 )

**वागले इस्टेट ठाणे,** ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया विकास झाड़े एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा वागले पुलिस स्टेशन अंतर्गत ठाणे पश्चिम वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे व एलबीएस मार्ग जंक्शन, तीन हाथ नाका इंटरनिटी माल रिक्षा स्टेण्ड के पास, वेस्ट बस केबिन के पीछे मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया विकास झाड़े द्वारा मटका जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। उक्त जुगार एड्डे में ग्राहकों के साथ लड़ाई झगड़े व तू-तू मै-मै भी होते रहते है। स्थानीय वागले पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

पढ़े अगले अंक में ...
कासर बड़वली पुलिस स्टेशन अंतर्गत पातलीपाड़ा परिसर में हिस्ट्री-शीटर एवं जुगार माफिया मन्नू तिवारी द्वारा मटका जुगार का खेल. परिमंडल-5 पुलिस उपायुक्त टीम द्वारा पिछले सप्ताह छापामारी के पश्चात जुगार अड्डा फिर से बड़े पैमाने पर चल रहा है.
जुगार अड्डे का संचालक एवं संरक्षक पुलिस अधिकारियों के नाम एवं नंबर के साथ खुलासा...

# भिवंडी शहर में स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार क्लब?

## बार बार शिकायतों के बावजूद संबंधित पुलिस द्वारा नहीं होती होती है कार्यवाई?

**भिवंडी।** ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा निजामपूरा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में खाड़ीपार रोड पर गारवा ढाबा (खड्डा कंपाउंड) के पास राम चन्द्र भावर्ते की जगह पर उमेश चौहान व अनवर लंगडा द्वारा जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार माफियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

# थकान-कमजोरी और सुस्ती

## डाइट में शामिल करें ये चीजें

**बदलते** मौसम में धूप और पसीने की वजह से हम जल्दी थक जाते हैं. जरा सा काम किया नहीं कि पसीने में भीग जाते हैं. थोड़े काम में ही सांस फूलने लगता है. बदलता मौसम शरीर की ताकत को मानों सोख लेता है और हम थककर बैठ जाते हैं. ऐसे मौसम में भूख कम लगती है और प्यास ज्यादा. यही वजह होती है कि शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता है और हम थकान, कमजोरी और बेचैनी महसूस करने लगते हैं. अगर सुबह नाश्ता अच्छा कर लो, तो पूरा दिन मेहनत करने की ताकत मिल जाती है. मतलब सुबह की डाइट इंसान को पूरा दिन हेल्दी और एनर्जी से भरपूर रखने में मदद करती है. इसलिए अगर आप सुबह के ब्रेकफास्ट में दूध और अंडा लेते हैं तो ये आपको पूरे दिन एनर्जेटिक रखने के लिए बेस्ट ऑप्शन होगा. अंडे में अमीनो एसिड और अच्छी मात्रा में गुड फैट होता है. दूसरी ओर, दूध में कैल्शियम और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है. जो लोग अंडा नहीं खाते हैं, वो नाश्ते में मूंग स्प्राउट्स, फलियां, नट्स और सीड्स जैसे स्नैक्स शामिल कर सकते हैं. इन चीजों में पर्याप्त विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं. क्योंकि सर्दियों में शरीर में पानी की कमी होने का ज्यादा खतरा होता इसलिए नींबू पानी, जौ और नारियल पानी जैसे हेल्दी ऑप्शंस भी आपके लिए बढ़िया हो सकते हैं. बदलते मौसम में मेवे, तरबूज, खरबूजा,अनानास, आम, स्ट्रॉबेरी, संतरा, और अन्य फल जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है का खूब सेवन करें. ये डिहाइड्रेशन को रोकने के लिए प्रभावी हैं. खाने से पहले उन्हें फ्रिज या फ्रीजर में स्टोर करना, हाइड्रेट और ठंडा करने का एक तरीका है. गर्मियों में आपको तौरी, लौकी, टिंडा, सीताफल, ब्रोकली, करेला आदि सब्जियों का सेवन बढ़ा देना चाहिए. ये आपको डिहाईड्रेशन से बचाने में मदद करती हैं.आपको एक्टिव रखती हैं.

# इन बदलावों को न करें नजरअंदाज हो सकते हैं कोलन कैंसर के संकेत

**कोलोरेक्टल** कैंसर एक प्रकार का कैंसर हे, जो बड़ी आंत में होता है। बड़ी आंत पाचन, पानी के अवशोषण और बेकार चीज़ों को शरीर से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोलन कैंसर अक्सर समय रहते पता नहीं चल पाता, क्योंकि ज़्यादातर लोगों में इसके लक्षण दिखाई नहीं देते, जब तक कैंसर एडवान्स्ड स्टेज तक नहीं पहुंच पाता। इसके अलावा कुछ शुरूआती लक्षण उलझन में डाल देते हैं, जिससे कैंसर के निदान में देरी होती है। इन लक्षणों की सही और जल्द से जल्द पहचान कर समय पर कैंसर का निदान किया जा सकता है, इससे उपचार की लागत कम हो जाती है, साथ ही उपचार के परिणाम भी बेहतर मिलते हैं और मरीज़ के लम्बे समय तक जीवित रहने की संभावना बढ़ती है। कोलोरेक्टल कैंसर का जल्द निदान होने से 90 फीसदी मामलों में इलाज सफल होता है।कैंसर के कुछ शुरूआती लक्षणों से इसकी पहचान की जा सकती है। यहां कुछ शुरूआती लक्षण दिए गए हैं जो जिनके बारे में आपको जागरुक होना चाहिएः-

**1. मलत्याग की आदतों में बदलाव**

अगर आपको मलत्याग की आदतों में बदलाव महसूस हो जैसे डायरिया, कब्ज़, मल के रंग में बदलाव आदि तो यह कोलन कैंसर का संकेत हो सकता है। इन लक्षणों पर ध्यान दें, हालांकि ये अन्य कारणों से भी हो सकते हैं। लेकिन अगर ये लक्षण कुछ दिनों से ज़्यादा बने रहें तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

**2. पेट में दर्द**

अगर आपको पेट में दर्द, ऐंठन या असहजता हो तो यह कोलन कैंसर का कारण हो सकता है। इसके साथ कभी कभी पेट फूलना या भरा हुआ महसूस होना, ऐसे लक्षण भी होते हैं।

**3. मल के साथ खून आना**

अगर आपको मल के साथ खून आता है तो यह कोलन कैंसर का संकेत हो सकता है। हालांकि इस बात पर ध्यान दें, मल के साथ खून आने के अन्य कारण भी सकते हैं जैसे हीमेरॉइड या एनल फिशर। हालांकि आप खुद इस बारे में मत सोचिए, इसके बजाए डॉक्टर से जांच कराइए। जिससे अगर कोलन कैंसर है तो इसके निदान में देरी न हो ।

**4. बिना कारण वज़न कम होना**

अगर आपका वज़न बेवजह कम हो रहा है, तो यह कोलन कैंसर का संकेत हो सकता है क्योंकि कैंसर के कारण शरीर में मेटाबॉलिज़्म, खाना पचाने के तरीके में बदलाव आता है। जिससे वज़न कम हो जाता है।

**5. थकान और कमज़ारी**

अगर आप असामान्य रूप से थकान या कमज़ोरी महसूस करते हैं, तो यह कोलन कैंसर का संकेत हो सकता है। क्योंकि कोलन कैंसर के कारण शरीर में हीमोग्लोबिन कम हो जाता है, जिसकी वजह से एनीमिया और थकान होने लगती है

# वजन कम करने के लिए फायदेमंद है कार्डियो, लेकिन कितनी देर तक

**वजन** घटाने के लिए **कार्डियो** एक लोकप्रिय वर्कआउट है। कैलोरी बर्न करने, मसल्स को मजबूत करने, हृदय गति को बढ़ाने और नियंत्रित श्वास को बढ़ावा देने के लिए यह एक बेहतरीन तरीका है। हालांकि, कार्डियो में कई प्रकार होते हैं इसलिए, जो भी आपके लिए सबसे अच्छा काम करे उसे चुनना चाहिए। ऐसा करने में एक प्रोफेशनल ट्रेनर आपकी मदद कर सकता है। वजन कम करने के लिए कार्डियो के प्रकार के साथ आपको यह भी सुनिश्चित करना जरूरी होता है कि रोजाना कितनी देर तक कार्डियो आपके लिए सही है। वेट लॉस के लिए कार्डियो काफी अच्छा होता है। लेकिन इसके कुछ प्रकार भी हैं, जैसे सामान्य या तेज गति से चलना, टहलना, तैरना, साइकिल चलाना, दौड़ना, रस्सी कूदना, रोइंग और एलिप्टिकल ट्रेनिंग करना। ये सभी वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाते हैं और कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं।

फिटनेस विशेषज्ञ वजन कम करने के लिए रोजाना कार्डियो करने की सलाह देते हैं। लेकिन हर व्यक्ति उसकी क्षमता एक दूसरे से अलग है इसलिए हर दिन कितने घंटे कार्डियो करना चाहिए, यह भी हर किसी में अलग-अलग होगा। सामान्य तौर पर प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट कार्डियो का लक्ष्य रखना चाहिए यह मध्यम से तेज गति का हो सकता है। इसे एक रूटीन में आसान बनाने के लिए 30-60 मिनट लंबे कार्डियो सेशन का अभ्यास करें और हर हफ्ते 3-5 बार करें। ऐसा करते वक्त ध्यान दें कि जब आपका शरीर रुकने और आराम करने की मांग करे तो इसे नजरअंदाज न करें। क्योंकि अत्यधिक कार्डियो बर्नआउट और चोट का कारण बन सकता है। वैसे तो सभी प्रकार के कार्डियो आपकी कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं, लेकिन प्रोफेशनल्स दौड़ने को वजन कम

करने के लिए कार्डियो का सबसे अच्छा रूप मानते हैं। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि दौड़ने से (मध्यम से तेज गति के बीच) आहार में बदलाव किए बिना भी पेट की चर्बी को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा आपको कैलोरी से भरपूर फूड आइटम्स से भी परहेज करने की जरूरत है।

कार्डियो का मतलब किसी भी ऐसे वर्कआउट या एक्सरसाइज से है, जो दिल की धड़कन को बढ़ाता है और उसे लंबे समय तक बनाए रखता है। जैसे-जैसे सांस लेने की स्पीड बढ़ती है, उसके साथ ही हमारा हार्ट तेजी से धड़कने लगता है। इसकी वजह से हम और तेज सांस लेने लगते हैं। तेज सांस लेने की वजह से हमारे फेफड़े, दिल और रक्त संचार प्रणाली में मजबूत होती है। साधारण शब्दों में कहें तो कार्डियो का मतलब हृदय से संबंधित एक्सरसाइज से है। घर में सबसे आसान कार्डियो एक्सरसाइज सीढ़ी चढ़ना और उतरना है। इससे हमारी श्वसन दर बढ़ने के साथ ही हार्ट भी तेजी से काम करता है। हर रोज सुबह शाम 10-15 मिनट सीढ़ियों पर यह एक्सरसाइज बहुत फायदा देगी।

# विष्णु सहस्त्रनाम का रोजाना पाठ करने से सौभाग्य में होती है वृद्धि

**सनातन** धर्म में भगवान श्रीहरि विष्णु को जगत का पालनहार माना गया है। विष्णु सहस्त्रनाम पाठ करने से व्यक्ति को कई तरह से लाभ होता है और पवित्रता और आध्यात्मिक सामर्थ्य में वृद्धि होती है। विष्णु सहस्त्रनाम श्रीहरि के 1000 नामों का पाठ है, जो उनकी महिमा को व्यक्त करते हैं। इस पाठ को करने से आध्यात्मिक ,ध्यान, भक्ति और आंतरिक व मानसिक शांति मिलती है। विष्णु सहस्त्रनाम का रोजाना पाठ करने से व्यक्ति को बुराइयों, संकटों और आपत्तियों से मुक्ति मिलती है। मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ रोजाना करता है, उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। इसके नियमित पाठ से संकट और कष्टों से मुक्ति मिलती है। हिंदू धर्म में विष्णु सहस्त्रनाम पवित्र पाठों में से एक है। जो भी व्यक्ति इसका पूरी श्रद्धा और भक्ति से पाठ को सुनता या पढ़ता है। उस व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि पूरा लाभ लेने के लिए विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ कब और कैसे किया जाना चाहिए। ज्योतिषाचार्य की मानें तो जब जातक की कुंडली में बृहस्पति ग्रह नीच या कमजोर स्थिति में हो, तो ऐसे में विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से जातक को लाभ होता है। साथ ही इसके पाठ से कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। यदि किसी जातक की कुंडली में बृहस्पति 6, 8, या 12 वे भाव से भ्रमण कर रहा हो, तब भी विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना चाहिए। इससे जातक को किसी तरह की परेशानी नहीं आती और बुरा फल देने वाला ग्रह भी शांत हो जाता है। कुंडली में बृहस्पति ग्रह की अशुभ स्थिति होने पर व्यक्ति को पेट या लिवर की समस्या होती है। ऐसे में इस समस्या से निजात पाने के लिए ज्योतिषाचार्य विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने की सलाह देते हैं। अगर किसी व्यक्ति की शादी में किसी तरह की परेशानी आ रही है या फिर शादी के बाद संतान सुख नहीं मिल रहा है। तो विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से लाभ मिलता है। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ हमेशा ब्रह्म मुहूर्त में करना चाहिए। इसके बाद भगवान श्रीहरि विष्णु का ध्यान करें। इस पाठ को पीले वस्त्र पहनकर करना चाहिए। भगवान विष्णु की पूजा के समय गुड़ और चने या फिर पीली मिठाई का भोग लगाएं। बृहस्पतिवार की शाम को नमक आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। विष्णु सहस्त्रनाम का रोजाना पाठ करने के दौरान हमेशा सात्विक वैष्णव भोजन करना चाहिए। अगर आप चाहें तो इस पाठ का हिंदी में भी जाप कर सकते हैं। आपको बता दें कि इस संसार में हो रही हर घटना भगवान श्रीहरि विष्णु से जुड़ी है। मान्यता के मुताबिक सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु जी सभी की मनोकामना पूरी करते हैं। इस पाठ का जाप करने से जीवन की हर बाधा, हर विपदा दूर होती है। ऐसे में अगर आप की भी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति कमजोर है तो इसका पाठ करने से गुरु ग्रह मजबूत होता है। साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनती है।

# होममेड फेस पैक से ऑयली व बेजान स्किन को कहें अलविदा

**गर्मियों** में घर पर बने प्राकृतिक फेस पैक त्वचा के लिए काफी फायदेमंद हो सकते हैं। घर पर नेचुरल प्रोडक्ट्स से तैयार किये गए फेस पैक गर्मियों के दौरान त्वचा को आराम दे सकते है और आमतौर पर यह सेफ होते है क्यूंकि इनमें कोई केमिकल मिक्स नहीं किया जाता। अक्सर देखा गया है की आसान होम मेड फेस पैक्स छोटी बड़ी स्किन प्रोब्लेम्स से छुटकारा दिला सकते हैं। इनमें त्वचा हाइड्रेट करना, गर्मी से स्किन की सुरक्षा करना, मुंहासों को रोकना, अतिरिक्त तेल को हटाना, त्वचा को एक्सफोलिएट करना और त्वचा को आराम देना शामिल है। इस आर्टिकल में जानिए गर्मियों के दौरान नेचुरल होम मेड फेस पैक क्यों जरूरी है और कैसे आसानी से उन्हें बनाया जा सकता है। खीरा, एलोवेरा और टमाटर जैसे नेचुरल प्रोडक्ट्स में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो त्वचा को धूप के हानिकारक प्रभावों से बचा सकते हैं। इसका फेस पैक बनाने के लिए 1/4 कप खीरे का रस और 1/4 कप टमाटर का रस मिलाएं। इस मिक्सचर को अपने चेहरे पर लगाएं और पानी से धोने से पहले 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। शहद, दही और दूध से त्वचा को हाइड्रेशन मिल सकता है। खासकर गर्मियों के दौरान यह त्वचा शुष्क होने से बचा सकता है।

# सुबह खाली पेट करें काली मिर्च का सेवन और देखें इसके अद्भुत फायदे

**खराब** रोग प्रतिरोधक क्षमता हमारे बार-बार बीमार पड़ने का कारण हो सकती है। बीमार होना केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी काफी तनावपूर्ण होता है। ऐसे में अगर आए दिन व्यक्ति बीमार हो रहा हो, तो यह आपके शरीर को पूरी तरह से खत्म कर देता है। इससे कई तरह की बीमारियों की चपेट में भी आने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए खुद की रक्षा के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली का मजबूत होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको दवा लेने की जरूरत नहीं है बल्कि इसका समाधान आपकी रसोई में ही है। हम बात कर रहे हैं काली मिर्च की। प्रतिदिन सुबह खाली पेट काली मिर्च के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में काफी मदद मिल सकती है। आयुर्वेदिक विशेषज्ञों का मानना है कि काली मिर्च के पानी को कम से कम एक महीने तक पीने से असंख्य स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। काली मिर्च इम्युनिटी बूस्टर है, क्योंकि यह शरीर की कोशिकाओं को पोषण देता है और उन्हें डैमेज होने से बचाता है। यह शरीर को मौसमी हमलों से सुरक्षित रखने के लिए फ्री रेडिकल डैमेज को भी रोकता है। समग्र स्वास्थ्य के लिए आंतों का स्वस्थ्य रहना महत्वपूर्ण है और एक स्वस्थ आंत का मतलब है एक साफ और डिटॉक्सिफाइड पेट। यह जादुई पानी शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों और केमिकल्स को बाहर निकाल देता है। इसे पीने से पाचन में सुधार होता है और पेट की समस्याओं को दूर रखने में

मदद मिलती है। काली मिर्च के पानी के लाभों में से एक है वजन कम करना। बहुत से लोग सुबह उठकर गर्म पानी पीते हैं। अगर इसमें एक चुटकी काली मिर्च का पाउडर मिला दिया जाए तो इसके लाभ काफी बढ़ सकते हैं। ये दोनों मिलकर बेहतर पाचन के लिए मेटाबॉलिज्म बढ़ाते हैं और अधिक कैलोरी बर्न करते हैं। इस वजन मैनेज करने में मदद मिलती है। जो लोग काफी समय से कब्ज से पीड़ित हैं उन्हें इस पानी को रोजाना पीना चाहिए। इससे मल त्याग बेहतर होता है। इसके सेवन से हर दिन धीरे-धीरे राहत मिलेगी और समस्या हर दिन कम होती जाएगी। शरीर से विषाक्त पदार्थों के बाहर निकलने के बाद आपका पेट हल्का महसूस होगा। जब आप रोज सुबह खाली पेट इस पानी को पीना शुरू कर देंगे, तो आप महसूस करेंगे कि आपका स्टैमिना का स्तर काफी बढ़ गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। यह शरीर को डिटॉक्सीफाई और हाइड्रेट करता है, जो आपकी त्वचा को प्रभावित करता है। इसके अलावा यह सेबम उत्पादन के प्रबंधन में भी मदद करता है।

# कम्युनिकेशन गैप के चलते भी आ सकती है रिश्ते में दूरियां

**आजकल** की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर कपल्स वर्किंग होते हैं. ऐसे में ऑफिस और घर के काम से लोगों को फुर्सत नहीं मिलती है, जिसके कारण रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप आने लगता है. अगर कम्युनिकेशन गैप के चलते आपके रिश्ते में भी दूरी आने लगी है तो 3 बातों का खास ख्याल रखकर आप अपने रिलेशनशिप को हमेशा के लिए स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं. व्यस्त दिनचर्या होने के कारण कपल्स को एक-दूसरे के लिए समय नहीं मिल पाता है, जिससे आपके रिश्ते में दूरियां आ जाती हैं और आप धीर-धीरे पार्टनर से दूर होने लगते हैं. आइए हम आपको बताते हैं कुछ आसान रिलेशनशिप टिप्स, जिसे फॉलो करके आप ना सिर्फ पार्टनर के करीब जा सकते हैं, बल्कि अपने रिश्ते को भी हैप्पी और लॉन्ग लास्टिंग बना सकते हैं. कई बार लोग अपनी बात कहने के चक्कर में पार्टनर की बातों को नजरअंदाज कर देते हैं. जिससे आपका रिश्ता कमजोर होने लगता है और आपके बीच में दूरियां बढ़ सकती हैं. ऐसे में पार्टनर की बातों को भी बराबर महत्व दें और उनकी पूरी बात सुनने के बाद ही रिएक्ट करें. इससे आपके बीच में लड़ाई होने की संभावना नहीं रहेगी और पार्टनर के साथ आपकी नजदीकी भी बढ़ने

लगेगी. कई बार पार्टनर किसी जरूरी बात पर आपसे डिस्कशन करने की चाहत रखता है. ऐसे में काम के चलते आप उनकी बातों पर ध्यान नहीं देते हैं. जिसके कारण पार्टनर को बुरा महसूस हो सकता है और पार्टनर धीर-धीरे आपसे दूरी बनाना शुरु कर देता है. इसलिए पार्टनर के साथ बातचीत करते समय एक्टिव रहें और उनकी हर बात पर पॉजिटिव रिएक्शन देने की कोशिश करें. इससे आपका रिश्ता भी मजबूत बनेगा.

# हर्ब्स की चाय महिलाओं के लिए रामबाण

**मेथी** में मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम, फॉलेट और विटामिन ए जैसे तत्व मौजूद होते हैं. अध्ययन के मुताबिक मेथी में पोटैशियम की मात्रा अधिक होने के कारण यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखती है. मेथी इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करती है. यानी यह लीपिड मेटाबॉलिज्म को संतुलित कर देती है. लिपिड मेटाबॉलिज्म अनियंत्रित होने के कारण टाइप-2 डायबिटीज की बीमारी होती है. मेथी का अर्क शरीर में कार्बोहाइड्रेट और चीनी के अवशोषण को नियंत्रित करता हैं. इसलिए मेथी की चाय सुबह पीने से पूरा दिन ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है.मेथी के दाने में लेक्टेशन बढ़ाने की क्षमता है. चार अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि मेथी मां बनी महिलाओं में दूध के प्रोडक्शन को बढ़ा सकती है.

शिवसेना
उद्धव बाळासाहेब ठाकरे
उत्तर भारतीय एकता मंच
करवा चौथ
की हार्दिक शुभकामनायें
शिवसेना
उद्धव बाळासाहेब ठाकरे
अशोक तिवारी
राष्ट्रीय संघटक-शिवसेना
राष्ट्रीय अध्यक्ष - उत्तर भारतीय एकता मंच
विनोद कुमार सिंह
राष्ट्रीय संघटक-शिवसेना
राष्ट्रीय महासचिव - उत्तर भारतीय एकता मंच